www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 124 || लखनऊ
सोमवार
03 अगस्त 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:32
सूर्यास्तः 06:53
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 27°00



पेज 07

विशेष समाचार | मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के...>> पेज 04 | एमआईटी में गूंजा नशा मुक्त युवा...>>पेज 06 | ऋतिक रोशन पर भड़की कंगना...

पीएम बोले-दुश्मन देश युवाओं को नशे में धकेलना चाहते हैं ■ हमें उनकी प्लानिंग नाकाम करनी है

ड्रग्स सप्लाई आतंकी साजिश : मोदी

बवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने रविवार को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है।

पीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने संबोधन में कहा- दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते हैं। इस साजिश को मिलकर नाकाम करना होगा। विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब देश का युवा शारीरिक और मानसिक रूप से फिट होने के साथ नशे से भी दूर रहेगा।

उन्होंने बताया कि अगले 100 सप्ताह तक हर रविवार कला, संस्कृति, खेल और अन्य गतिविधियों के जरिए नशा मुक्ति का संदेश देशभर में पहुंचाया जाएगा। पीएम ने युवाओं से इस अभियान का नेतृत्व करने और 2047 तक विकसित भारत बनाने में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया।



■ ड्रग्स कुछ समय के लिए हाई देता है, लेकिन करियर और फैमिली लाइफ को लो कर देता है। नशे की लत युवाओं का फोकस भटकाती है और उन्हें धीरे-धीरे उनके सपनों से दूर ले जाती है। -नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री

नशा सपनों और परिवार दोनों को तोड़ देता है

PM मोदी ने कहा कि नशा युवाओं का फोकस भटकाकर उन्हें धीरे-धीरे उनके सपनों से दूर ले जाता है। आज भारत के युवा स्टार्टअप, AI और स्पेस जैसे क्षेत्रों में दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन अगर कोई युवा ड्रग्स की गिरफ्त में आ जाए तो सिर्फ उसका सपना ही नहीं, पूरा परिवार हार जाता है। नशा एक पिता के सपनों और बहन की उम्मीदों को भी तोड़ देता है।

दुश्मन देश ड्रग्स के जरिए युवाओं को निशाना बना रहे

नशा केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि राष्ट्र की ताकत को भी कमजोर करता है। दुश्मन देश भारतीय युवाओं को ड्रग्स के जाल में फंसाने की साजिश रचते हैं। सरकार नशे के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है।

ड्रग्स थोड़ी देर का हाई, लेकिन जिंदगीभर का नुकसान

ड्रग्स कुछ समय के लिए हाई देता है, लेकिन करियर और फैमिली लाइफ को बर्बाद कर देता है। हमारे संतों और गुरुओं ने भी नशे से दूर रहने की सीख दी है। श्री गुरु ग्रंथ साहिब का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जो नशा इंसान की बुद्धि और विवेक छीन ले, वह उसे पतन की ओर ले जाता है।

पाक में आत्मघाती हमला, 7 की मौत

खैबर पख्तूनख्वा में युवक ने थाने में जाकर ब्लास्ट किया

तमसा संकेत, एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात जिले में रविवार को एक पुलिस स्टेशन के बाहर आत्मघाती हमला हुआ। इसमें 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 लोग घायल हुए हैं। पाकिस्तानी मीडिया डॉन के मुताबिक, हमले के समय पास के काबल चौक पर आतंकवाद के खिलाफ शांति रैली चल रही थी। स्वात के जिला पुलिस अधिकारी उमर खान के मुताबिक, इसी दौरान एक युवक काबल पुलिस स्टेशन के गेट पर पहुंचा। पुलिस वालों ने उसे रोककर तलाशी लेने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं रुका। इससे पहले पुलिस हरकत में आती, युवक को खुद को ब्लास्ट कर दिया।



■ लोग आतंकवाद के खिलाफ रैली निकाल रहे थे

धमाका जिस वक्त हुआ तब रैली में आखिरी वक्ता का भाषण हो रहा था। धमाके की आवाज सुनकर रैली में मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

गोवा में कांग्रेस-जीएफपी में गठबंधन पर चर्चा

नई दिल्ली। गोवा में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए विपक्षी दलों ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। कांग्रेस और गोवा फॉरवर्ड पार्टी (GFP) ने गठबंधन को लेकर शुरुआती बातचीत शुरू कर दी है। वहीं, आम आदमी पार्टी (AAP) ने भी गठबंधन के संकेत दिए हैं। GFP प्रमुख विजय सरदेसाई के साथ गठबंधन को लेकर चर्चा की है।

वज्रपात ने बरपाया कहर, पिता-पुत्र समेत 6 लोगों की मौत...

बांका। बिहार के बांका में वज्रपात ने कहर बरपाया है। रविवार दोपहर में तेज बारिश और गर्जन के बीच अलग-अलग स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने से चार प्रखंडों में पांच किसानों और मजदूरों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य किसान और मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। सबसे दर्दनाक घटना बांका टाउन थाना क्षेत्र के खावा गांव में हुई, जहां खेत में काम कर रहे पिता और उनके सात वर्षीय पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। पिता-पुत्र की मौत: बांका टाउन थाना क्षेत्र के खावा गांव में लाधार बारिश के दौरान हुए वज्रपात ने एक परिवार की खुशियां हमेशा के लिए छीन लीं। गांव निवासी 35 वर्षीय ब्रह्मदेव यादव रविवार को खेत में काम करने के लिए घर से निकले थे।

मुख्यमंत्री योगी से मिले हरदोई के डीएम-एसपी

हरदोई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हरदोई के जिलाधिकारी अनुनय झा और पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात 2 अगस्त रविवार देर शाम 7 बजे लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर हुई। मुलाकात के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के साथ विभिन्न प्रशासनिक विषयों पर चर्चा की। इसमें हरदोई जनपद से जुड़े विकास कार्यों, कानून-व्यवस्था की स्थिति और अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

चर्चा : कर्नाटक में जल्द हो सकता है कैबिनेट विस्तार

डीके शिवकुमार और कांग्रेस आलाकमान की दिल्ली में बैठक

मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी



बेंगलुरु। कर्नाटक में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ लेने के करीब दो महीने बाद भी मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं हुआ है। शिवकुमार और राज्य के कई कांग्रेस नेताओं ने गुरुवार को दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर आलाकमान से मुलाकात की। यहां कैबिनेट विस्तार पर चर्चा हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 20 नए मंत्रियों के नाम आज तय हो सकते हैं। वहीं, अगले सप्ताह शपथ ग्रहण हो सकता है। अभी कैबिनेट में सीएम समेत 14 मंत्री हैं। डीके शिवकुमार ने 3 जून को उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर और 12 अन्य मंत्रियों के साथ शपथ ली थी। कर्नाटक में संवैधानिक रूप से मुख्यमंत्री सहित कुल 34 मंत्री हो सकते हैं, जिसके चलते अभी भी लगभग 20 पद खाली हैं। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी हाईकमांड जातीय, सामुदायिक और नए-पुराने नेताओं में बैलेंस बनाने की कोशिश कर रहा है जिसकी वजह से कैबिनेट विस्तार में देरी हो रही है।

>> (शेष पेज 06 पर)

पप्पू यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बवाल, दो लोगों से मारपीट, मची अफरा-तफरी

'मुझे मारने आए थे...'

■ सांसद पप्पू यादव पर दिल्ली में शख्स ने चप्पल फेंकी, समर्थकों ने पीटा
■ दावा- आरोपी चाकू लेकर आया था
■ संसद में चढ़ावा चोरी का नाटक किया था

बवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हंगामे और धक्कामुक्की की घटना सामने आई है। पप्पू यादव हाल ही में संसद परिसर में राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मुद्दे पर अनोखे विरोध प्रदर्शन को लेकर भी चर्चा में रहे थे। उस प्रदर्शन में वह भगवा कपड़े पहनकर नजर आए थे और विपक्षी सांसदों के साथ मिलकर राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी को लेकर नाटकीय प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के दौरान सांसदों ने दानपात्र में पैसे डालने और फिर उन्हें जेब में रखने का अभिनय किया था।

>> (शेष पेज 06 पर)



■ पप्पू यादव दिल्ली में अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे, तभी उन पर हमला हुआ।

समर्थकों का दावा- अतीक हत्याकांड जैसी वारदात की प्लानिंग थी

पप्पू यादव के मीडिया संयोजक ने कहा- हमलावरों ने पहले चप्पल फेंकी, फिर चाकू निकालकर हमला करने की कोशिश की। दिल्ली पुलिस मूकदर्शक बनी रही और हमलावरों को बचाने में लगी थी। उनका दावा है कि हमलावर प्रयागराज के अतीक अहमद हत्याकांड जैसी वारदात को अंजाम देने आए थे।

शनिवार को हिंदू संगठनों ने पप्पू की पत्नी के घर के बाहर हंगामा किया था

शनिवार को पप्पू यादव की पत्नी और राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन के दिल्ली स्थित आवास के बाहर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं और साधु-संतों ने विरोध प्रदर्शन किया था।

>>(शेष पेज 06 पर)

मायावती ने भतीजे आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकाला

बसपा में फिर कलह

■ कहा- बार-बार चेतावनी देने के बाद भी नहीं सुधरे, अब कभी वापस नहीं लेंगे

संग्राम

■ बहुजन समाज पार्टी के भीतर एक बार फिर बड़ा राजनीतिक संग्राम छिड़ गया है। बसपा प्रमुख मायावती ने आकाश आनंद के ससुर और पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

अपनी जिम्मेदारियों को अशोक सिद्धार्थ ने सही से नहीं निभाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले बसपा सुप्रीमो मायावती ने बड़ा एक्शन लिया है। मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को फिर से पार्टी से निष्कासित कर दिया है। पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ को तत्काल प्रभाव से हटाया गया है। पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया है कि अशोक सिद्धार्थ की अब कभी भी BSP में वापसी नहीं होगी।



मायावती ने आरोप लगाया कि अशोक सिद्धार्थ लगातार अनुशास-नहीनता और पार्टी निर्देशों की अनदेखी कर रहे थे।

कर्नाटक, ओडिशा और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों की जिम्मेदारी निभाने में भी लापरवाही का आरोप लगा है। राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर रणधीर सिंह बेनीवाल को भी पार्टी से बाहर किया गया। मायावती ने कहा कि यूपी के निवासी किसी भी वरिष्ठ पदाधिकारी को अब उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी, उन्हें केवल दूसरे राज्यों में जिम्मेदारी मिलेगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

मायावती ने ट्वीट कर निष्कासन की दी जानकारी

इसके आगे मायावती ने ट्वीट करते हुए लिखा कि केवल कर्नाटक ही नहीं बल्कि उड़ीसा व पश्चिम बंगाल इन राज्यों से भी इनकी अनुशासनहीनता अर्थात् पार्टी के दिशा-निर्देश के उल्लंघन की ख़बरें लगातार आते रहने के फलस्वरूप इनको बार-बार चेतावनी देने के बावजूद भी इनमें सुधार नहीं आने की वजह से कल श्री अशोक सिद्धार्थ को पार्टी की सभी ज़िम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था। लेकिन इसके बाद यूपी में इनके वापस लौटने की ख़बरें जानबूझकर पार्टी में भ्रम की स्थिति फैलाकर आगामी यूपी विधानसभा आमचुनाव के सघन अभियान को प्रभावित करने का षडयंत्र है।

इंडोनेशिया में फेरी बोट में लगी आग

लोग जान बचाने समुद्र में कूदे, 5 की मौत, 271 लोग सवार थे, 41 लापता

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

जकार्ता। इंडोनेशिया के मादुरा द्वीप के पास रविवार सुबह एक फेरी बोट में आग लग गई। इसके बाद लोग जान बचाने के लिए समुद्र में कूद गए। रॉयटर्स के मुताबिक, हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 41 लोग अब भी लापता हैं। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी के मुताबिक फेरी में कुल 271 यात्री और क्रू मेंबर सवार थे। कुछ लोग जान बचाने के लिए बोट से समुद्र में कूद गए। दोपहर तक 225 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि बाकी लोगों की तलाश जारी है। फेरी ईस्ट जावा प्रांत के सुराबाया से साउथ सुलावेसी के मकासार जा रही थी। इसी दौरान मादुरा द्वीप के पास उसमें आग लग गई।



■ आग लगने के बाद लोगों में अफरा-तफरी मची और वे बोट से कूदने के लिए तैयार हो गए।

>> (शेष पेज 06 पर)

यूपी सरकार की सर्वदलीय बैठक

4 दिन के विधानसभा सत्र पर विधायक रविदास भड़के

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक हुई। इससे पहले कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में सपा ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले पर चर्चा कराने की मांग की। मीटिंग के बाद सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा ने कहा- यूपी में 25 करोड़ लोग हैं। 4 दिनों में इतने बड़े राज्य की समस्याओं पर चर्चा करना संभव नहीं है। सरकार चाहती है कि मुद्दों पर चर्चा न हो। इसलिए सदन का सत्र छोटा रखा गया है। वहीं डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा- हम यह चाहते हैं कि विपक्ष अपने मुद्दे सदन में लाए और सरकार उनका जवाब देने के लिए तैयार है। चर्चा सार्थक हो और सदन का समय बर्बाद न हो, यही हमारी अपेक्षा है। शाम 5 बजे सीएम आवास पर भाजपा सचेतक दल की बैठक होगी।

>> (शेष पेज 06 पर)



■ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान भवन में सर्वदलीय बैठक को किया संबोधित

"डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी भरोसा दिलाया कि विपक्ष की ओर से उठाए गए तमाम सवालों के जवाब सदन में दिए जाएंगे। विपक्ष की ओर से मामले को सही प्रकार से उठाया जाए। मंत्री सुरेश कुमार खन्ना कहते हैं कि परंपरा के अनुसार आज सर्वदलीय बैठक हुई।

जांच : किसने की दिपके की फंडिंग ■ आरटीआई एक्टिविस्ट अमित तिवारी ने पूछा

'अमेरिका जाने का खर्च कहां से आया'

आरटीआई एक्टिविस्ट ने सीजेपी के फंड और दिपके के पिता के फाइनेंस की जांच की मांग की

मांग

■ सूरत के RTI कार्यकर्ता अमित तिवारी ने CJP के लीगल डिफेंस फंड और अभिजीत दिपके के पिता भगवानराव दिपके की संपत्ति की वित्तीय जांच की मांग की है। उन्होंने चुनाव आयोग और केंद्रीय GST बोर्ड को पत्र लिखकर पूछा कि एक रिटायर्ड सरकारी कर्मचारी अपने बेटे को विदेश में उच्च शिक्षा के लिए कैसे भेज पाया, इसकी जांच होनी चाहिए।

रिटायर्ड सरकारी कर्मचारी अपने बेटे को उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेजने में कैसे सक्षम रहा...?



तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सूरत के एक RTI एक्टिविस्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) संस्थापक अभिजीत दीपके के पिता भगवानराव दीपके की आय और वित्तीय स्थिती की जांच की मांग ही है। उन्होंने सवाल उठाया है कि महाराष्ट्र सरकार के रिटायर कर्मचारी रहे भगवानराव दीपके ने अपने बेटे की विदेश में पढ़ाई का खर्च कैसे उठाया।

>> (शेष पेज 06 पर)

सीजेपी के फंड की हो जांच

RTI एक्टिविस्ट अमित तिवारी ने कहा, 'कॉकरोच जनता पार्टी एक गैर-पंजीकृत संगठन है, लेकिन यह राजनीतिक दल के रूप में काम कर रही है। अगर उसे विधि कोष के रूप में एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की गई है, तो निर्वाचन आयोग को यह जांच करनी चाहिए कि क्या कॉकरोच जनता पार्टी जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के तहत पंजीकृत है या नहीं।'

उन्होंने यह भी कहा कि यदि पार्टी पंजीकृत नहीं है, तो उसके नाम पर धन जुटाने और उसका इस्तेमाल करने की वैधता की जांच की जानी चाहिए।

राजभर के बार-बार तंज कसने पर दिया जवाब, बोले- भाजपा किसी की सगी नहीं

हमारे ओमप्रकाश उनके ओमप्रकाश से मिल आए : अखिलेश यादव

पलटवार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को लखनऊ में भाजपा सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर पर पलटवार किया। सपा नेता ओम प्रकाश सिंह और राजभर की दिल्ली में हुई हालिया मुलाकात पर तंज भरे अंदाज में कहा- हमारे ओमप्रकाश उनके ओमप्रकाश से मिल आए हैं। अब निगेटिव-निगेटिव मिला या पॉजिटिव, यह तो भगवान ही जाने। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब अखिलेश से सवाल किया गया कि कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर पंचायत चुनावों को लेकर लगातार



कह रहे हैं कि उनकी तैयारी पूरी है, लेकिन सरकार पीछे हट रही है, इस पर उन्होंने कहा- भाजपा किसी की सगी नहीं है। जो लोग भी आज उनके साथ गए हैं, उन्हें बहुत जल्द इस सच्चाई का अहसास हो जाएगा। दरअसल, पिछले कुछ समय से ओपी राजभर लगातार अखिलेश यादव पर हमलावर रहे हैं। इसी बीच, सपा नेता और राजभर की मुलाकात की तस्वीर सामने आई।

- अखिलेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शिक्षा, किसान, रोजगार, पेपर लीक और एक्सप्रेस-वे में भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर भाजपा सरकार को घेरा।

चढ़ावा चोरी हुआ, जौहर विश्वविद्यालय पर मंशा ठीक नहीं

सपा मुखिया ने ई-20 पर कहा कि अगर इससे माइलेज बढ़ता है तो कंपनियों को विज्ञापन देना चाहिए।

मंदिर में चढ़ावा चोरी हो रहा है। जौहर विश्वविद्यालय को लेकर पहले दिन से उनकी नीयत और मंशा ठीक नहीं रही है। ये नहीं चाहते कि लोग पढ़ें।

ये यूनिवर्सिटी तो बना नहीं पाए, लेकिन उस पर हथौड़ा चलाना चाहते हैं।



10 साल में 26 हजार स्कूल बंद हुए, आरक्षित पद चोरी हो गए

अखिलेश ने कहा- भाजपा के शासनकाल में 10 साल में 26 हजार स्कूल बंद हुए। 20 से अधिक परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। 12,000 से अधिक पिछड़े- दलितों के आरक्षण वाले पद चोरी हो गए। जब से हम लोगों ने डेटा देखना शुरू किया, सरकारी वेबसाइट को बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा- विश्वगुरु बनाने का जो दावा करते हैं, उनकी हकीकत यह है कि 7 हजार स्कूलों में बिजली नहीं है। 2 हजार में लड़कियों के लिए फंक्शनल टॉयलेट नहीं हैं। 500 स्कूल में पानी का इंतजाम नहीं है। 23 हजार स्कूलों में कंप्यूटर नहीं है।

> अखिलेश ने कहा- सपा से जेन-जी और अल्फा जेनरेशन बड़ी संख्या में जुड़ रही है। युवाओं की बात सुनना जिम्मेदारी है। जो कहते थे कि बेटी बचाओ, उन्होंने बेटियों के साथ क्या किया।

मार्केट के पब्लिक टॉयलेट में ताला लगने पर जोरदार प्रदर्शन

व्यापारी बोले- महिलाओं को हो रही परेशानी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में मलिक टिंबर, जनता मार्केट में व्यापारियों ने नगर निगम के खिलाफ रविवार शाम करीब साढ़े चार बजे जोरदार प्रदर्शन किया। नगर निगम के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। स्थानीय पार्षद संजय राठौर पर मार्केट के पब्लिक टॉयलेट पर ताला बंद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मार्केट में कई महिलाएं नौकरी करने और सामान खरीदने के लिए आती हैं। टॉयलेट बंद होने के कारण उन्हें परेशानी होती है। कई बार नगर निगम में शिकायत की गई, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। व्यापारियों ने चेतावनी दी कि अगर जल्द से जल्द उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो मजबूर दुकानों को बंद कर नगर निगम मुख्यालय के बाहर बड़ा प्रदर्शन करेंगे। व्यापारी सत्य नारायण तिवारी ने बताया कि बीते दो महीने से सार्वजनिक शौचालय पर



ताला जड़ा है। ताला जड़े होने से मजबूरन व्यापारी टॉयलेट के लिए सड़क किनारे जा रहे हैं। महिला कर्मचारी मार्केट के आसपास दूसरों के घरों में जा रही हैं। व्यापारी अनुज कुमार का कहना है कि शौचालय खोले जाने को लेकर नगर आयुक्त से लेकर स्थानीय पार्षद तक से शिकायत कर चुके हैं। समस्या का समाधान नहीं हुआ। ऐसे में मार्केट के व्यापारी काफी परेशान हैं। व्यापारी रमेश सिंह ने बताया कि मार्केट के बाहर एलडीए द्वारा दुकानदारों और ग्राहकों के लिए पार्किंग की बनाई गई थी। पार्किंग में नगर निगम ने वेंडिंग जोन बना दिया।

फास्ट न्यूज

'40 लाख कह रहे थे, 15 लाख में आ गए'

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के अधिकारी और इंजीनियर जिस कारोबारी से 7.50 लाख की घूस लेते पकड़े गए, उससे 40 लाख में डील हुई थी। कारोबारी ने संवाददाता से बताया- मेरा कॉम्प्लेक्स बनने के बाद किसी ने IGRS पर शिकायत की। उसके बाद मेरे ऊपर अधिकारियों का दबाव आने लगा। वहां से फोन कर-करके बोला जाने लगा कि 40 लाख दो तो शिकायत को बंद कर देंगे।

आरपीएफ क्राइम ब्रांच ने पकड़ी हेरोइन

लखनऊ। चारबाग जंक्शन से RPF क्राइम ब्रांच की टीम ने 30 लाख रुपए हेरोइन बरामद की है। इसकी तस्करी करते पकड़े गए आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इसे लखनऊ से ट्रेन के माध्यम से बेंगलुरु ले जाकर खपाने की साजिश थी। इनपुट के बाद आरपीएफ क्राइम ब्रांच की टीम ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के साथ मिलकर शनिवार को एक्शन लिया। प्लेटफार्म नंबर-2 पर हुई चेकिंग के दौरान आरोपी पकड़ा गया। उसके पास से 137 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपी गुरमेज सिंह पीलीभीत का रहने वाला है।

बांदा कालिंजर किला के लिए निकले 60 बाइकर्स

लखनऊ। लखनऊ से बांदा के कालिंजर किला जाने के लिए 60 बाइकर्स रवाना किए गए। इन्हें पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने फ्लैगऑफ कर रवाना किया। इस दौरान मंत्री ने कहा कि यूपी में एडवेंचर टूरिज्म बढ़ाएंगे। हालांकि, मंत्री ने अपने बयान में कालिंजर किले को महोबा जिले में होना बताया, जबकि किला बांदा में है। मंत्री ने रविवार सुबह 8 बजे राजधानी के 1090 (वीमेन पावर लाइन) चौराहे से द राइडिंग चैप्टर विजिट माई स्टेट का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने विधानभवन में अनेक कार्यों का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने विधानभवन में अनेक कार्यों का किया शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्वदलीय बैठक से पहले रविवार को विधान भवन में अनेक विकास व सौंदर्यीकरण कार्यों का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद मंडप के सौंदर्यीकरण कार्य, विधान भवन भूतल स्थित नवीनीकृत कॉरिडोर का उद्घाटन किया।

इसके पश्चात विधानसभा के नवनिर्मित पॉडकास्ट स्टूडियो समेत अनेक कार्यों का भी शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने हेलीकॉप्टर जैसे बने मॉडल के भीतर बैठकर उत्तर प्रदेश के इतिहास व विरासत को संजोती धार्मिक तस्वीरों को देखा। यूपी की आध्यात्मिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य आदि की झलक भी देखी। उन्होंने पॉडकास्ट स्टूडियो का अवलोकन किया।



सदन के भीतर जाकर भी वहां की व्यवस्थाओं आदि का भी जायजा लिया। इसके पहले विधानसभा पहुंचने पर अध्यक्ष सतीश महाना ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर विधान परिषद सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, वित्त/संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद, ओमप्रकाश राजभर, विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण विज्ञान विभाग की मानसी गुप्ता और सुमित शर्मा ने बढ़ाया संस्थान का मान

बरेली कॉलेज के दो शोधार्थियों का इंस्पायर फ़ेलोशिप के लेवल-II मूल्यांकन के लिए चयन

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। बरेली कॉलेज के पर्यावरण विज्ञान विभाग ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी शैक्षणिक और शोध उत्कृष्टता का परिचय दिया है। विभाग के दो शोधार्थियों मानसी गुप्ता और सुमित शर्मा का भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) द्वारा संचालित प्रतिष्ठित INSPIRE Fellowship के Level-II Evaluation के लिए चयन हुआ है। इस उपलब्धि से बरेली कॉलेज और महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय परिवार में खुशी की लहर है। मानसी गुप्ता वर्ष 2024 में एमएससी (पर्यावरण विज्ञान) की स्वर्ण पदक विजेता रही हैं, जबकि सुमित शर्मा ने वर्ष 2025 में इसी विषय में गोल्ड मेडल हासिल किया था। वर्तमान में दोनों पर्यावरण



विज्ञान विभाग में शोध कार्य कर रहे हैं। महाविद्यालय प्रशासन के अनुसार INSPIRE Fellowship के Level-II Evaluation तक पहुंचना उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों, शोध क्षमता, अनुशासन और निरंतर मेहनत का प्रमाण है।

शिक्षकों ने बताया शोध संस्कृति और शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिणाम

शिक्षकों ने भी दी शुभकामनाएं

इस अवसर पर विभाग की प्रो. अनामिका अग्रवाल, प्रो. निष्ठा सेठ और प्रो. गौरव भूषण ने भी दोनों शोधार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि INSPIRE Fellowship जैसी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय फेलोशिप के Level-II Evaluation के लिए चयन होना किसी भी शोधार्थी के लिए अत्यंत सम्मान और गर्व की बात है। पर्यावरण विज्ञान विभाग के सभी शिक्षक, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने मानसी गुप्ता एवं सुमित शर्मा को उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल शोध भविष्य की कामना की। महाविद्यालय प्रशासन ने इसे न केवल पर्यावरण विज्ञान विभाग, बल्कि पूरे बरेली कॉलेज और महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय के लिए भी गर्व का विषय बताया।



विभागाध्यक्ष बोले- अनुसंधान और नवाचार को लगातार मिल रहा बढ़ावा

पर्यावरण विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. जसपाल सिंह ने कहा कि विभाग विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए निरंतर प्रेरित करता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों शोधार्थी आगामी चरणों में भी सफलता हासिल कर INSPIRE Fellowship प्राप्त करेंगे और पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश राय ने दोनों शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता बरेली कॉलेज की समृद्ध शैक्षणिक परंपरा और मजबूत शोध संस्कृति का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों शोधार्थी भविष्य में भी अपने उत्कृष्ट शोध कार्यों से महाविद्यालय, विश्वविद्यालय और देश का नाम रोशन करेंगे।

सदन के सुचारू संचालन के लिए सभी दलों का सहयोग अपेक्षित : सतीश महाना

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने सोमवार से प्रारंभ हो रहे 18वीं विधानसभा के वर्ष 2026 के तृतीय सत्र के सफल, गरिमापूर्ण एवं सुचारू संचालन के लिए सभी राजनीतिक दलों से सकारात्मक सहयोग का अनुरोध किया है। रविवार को विधान भवन में आयोजित सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि सदन लोकतांत्रिक विमर्श का सर्वोच्च मंच है। सभी दलों के सहयोग से सदन की कार्यवाही निर्बाध रूप से संचालित होने से सभी सदस्यों को अपनी बात कहने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि सदस्यों को अपनी बात रखते समय लोकतांत्रिक मूल्यों एवं विधानसभा के नियमों के अनुरूप संयमित, मर्यादित एवं गरिमापूर्ण भाषा का प्रयोग करना चाहिए, जिससे सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से संचालित हो सके। श्री महाना ने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों के दौरान



सभी दलों के सहयोग से विधानसभा की कार्यवाही सफलतापूर्वक एवं सुचारू रूप से संचालित होती रही है। उन्हें विश्वास है कि इस बार भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के सहयोग से सदन की कार्यवाही उसी गरिमा, सौहार्द एवं सकारात्मक वातावरण में संचालित होगी। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि स्वस्थ संसदीय परंपराओं का निर्वहन करते हुए पक्ष और विपक्ष, दोनों की समान भागीदारी लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी सदस्य जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा करते हुए सदन की गरिमा बनाए रखेंगे। चार दिवसीय इस विधानमंडल सत्र के दौरान अनेक महत्वपूर्ण विधायी एवं वित्तीय कार्य संपन्न किए जाएंगे। साथ ही, इस सत्र में पहली बार सदन में 'वन्दे मातरम्' का पूर्ण गायन किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि सदन का सुचारू संचालन सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों के सहयोग से ही संभव है। सर्वदलीय बैठक में मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, नेता प्रतिपक्ष श्री माता प्रसाद पांडेय, अपना दल (सोनेलाल) के श्री राम निवास वर्मा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना', राष्ट्रीय लोकदल के श्री राजपाल सिंह बालियान, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के श्री ओम प्रकाश राजभर, निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल के श्री रमेश सिंह, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के कुंवर रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया' सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने भाग लिया।

योगी सरकार की नीतियों का असर

51 हजार मीट्रिक टन उत्पादन के साथ यूपी बना नंबर-1

- देश के कुल मशरूम उत्पादन में 13 प्रतिशत हिस्सेदारी, किसानों की आय बढ़ाने में मिली बड़ी सफलता
- सरकारी योजनाओं और अनुदान से किसान बन रहे आत्मनिर्भर, महिलाओं को भी मिल रहा स्वरोजगार
- बागवानी के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश लगातार स्थापित कर रहा नए कीर्तिमान : दिनेश प्रताप सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने बागवानी क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए मशरूम उत्पादन में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री श्री योगी



आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य ने वर्ष 2024-25 में 51 हजार मीट्रिक टन मशरूम का उत्पादन कर राष्ट्रीय स्तर पर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। देश के कुल 4.27 लाख मीट्रिक टन मशरूम उत्पादन में उत्तर प्रदेश की लगभग 13 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह उपलब्धि किसानों की मेहनत, आधुनिक तकनीकों के उपयोग तथा राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों का परिणाम है। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि योगी सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से वैल्यू एडेड फसलों को लगातार प्रोत्साहित कर रही है। मशरूम उत्पादन इसी दिशा में एक सफल पहल के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता किसानों की उपज का संरक्षण, मूल्य संवर्धन तथा बेहतर विपणन सुनिश्चित करना है, जिससे उन्हें उनकी उपज का अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि मशरूम की खेती को बढ़ावा देने के लिए उद्यान विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन (MIDH) के अंतर्गत 40 से 50 प्रतिशत तक अनुदान प्रदान किया जा रहा है। कम भूमि, कम लागत और मात्र तीन से चार सप्ताह में तैयार होने वाली यह फसल किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। उद्यान मंत्री ने बताया कि वर्ष 2025-26 में मशरूम उत्पादन, कंपोस्ट मेकिंग एवं स्पान मेकिंग की लगभग 30 इकाइयों को 40 प्रतिशत अनुदान पर स्वीकृत किया गया है। वहीं 200 वर्ग फुट की छप्पर विधि पर आधारित मशरूम इकाइयों के लिए 50 प्रतिशत (अधिकतम 1 लाख रुपये) अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसके तहत लगभग 80 इकाइयों की स्थापना की गई है। विभाग द्वारा एक लाभार्थी को अधिकतम पांच इकाइयों तक अनुदान का लाभ दिया जा रहा है।

वारदात : पीड़िता का आरोप- थाने बुलाकर कहा- 'मुझसे संबंध बना लो, मेडिकल सही आएगा'

बीएड छात्रा से यौन-शोषण के आरोपी एसएसआई सस्पेंड

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में बीएड की छात्रा से शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने के आरोपी आशियाना थाने के SSI धर्मवीर शाही को सस्पेंड कर दिया गया है। युवती का आरोप है कि दरोगा ने उसे थाने बुलाकर कहा- तुम्हारा रेप केस पुराना हो गया है। अगर एक बार मुझसे संबंध बना लो तो मेडिकल सही आएगा। पीड़िता का आरोप है कि दरोगा ने थाने में अपने कमरे में बुलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद केस मजबूत कराने और शादी का झांसा देकर कई बार उसका यौन शोषण किया। मामला आशियाना थाने का है। दरअसल, पीड़िता ने बस्ती निवासी अभिषेक सिंह पर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। इसी मामले की विवेचना

> पीड़िता ने आरोप लगाया कि धर्मवीर शाही ने कहा, "तुम्हारा केस काफी पुराना हो गया है। इसे मौजूदा घटना से जोड़ने के लिए दोबारा शारीरिक संबंध बनाने होंगे।" जब उसने विरोध किया तो दरोगा ने शादी का भरोसा दिया। कहा कि अगर वह उसके साथ संबंध रखेगी तो वह जिंदगीभर उसका साथ देगा, पत्नी का दर्जा देगा और शादी करेगा। पीड़िता का आरोप है कि शादी के इसी झांसे में लेकर मार्च से अब तक उसका यौन शोषण किया गया।



SSI धर्मवीर शाही कर रहे थे। आरोप है कि 21 फरवरी को उन्होंने पीड़िता को आशियाना थाने बुलाया। इसके बाद दोनों कई बार मिले। जब छात्रा ने शादी का दबाव बनाया तो 30 जुलाई की रात आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और उसका मोबाइल छीन लिया। इसके बाद युवती ने पुलिस कमिश्नर और डीसीपी सेंट्रल से शिकायत की। जांच के बाद आरोपी SSI धर्मवीर शाही के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई और उन्हें सस्पेंड कर दिया गया। बातचीत में पीड़िता ने बताया कि उसने बीएड किया है। पढ़ाई के दौरान उसकी मुलाकात बस्ती के शंखपुर निवासी अभिषेक सिंह से हुई। अभिषेक ने शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए और बाद में शादी से मुकर गया। इसके बाद उसने अभिषेक के खिलाफ बस्ती में मुकदमा दर्ज कराया। मामला जीरो FIR के तहत लखनऊ के आशियाना थाने ट्रांसफर किया गया। पीड़िता ने बताया कि जांच के दौरान घटनास्थल पीजीआई थाना



क्षेत्र का मिलने पर केस वहां ट्रांसफर कर दिया गया। आरोप है कि इसके बावजूद आशियाना थाने में तैनात विवेचक SSI धर्मवीर शाही ने यह जानकारी छिपाकर 21 फरवरी को उसे पूछताछ के लिए बुलाया। उन्होंने कहा कि केस की पूरी विवेचना वही करेंगे। इसके बाद वह जांच के नाम पर लगातार फोन करने लगे। पीड़िता का आरोप है कि बातचीत के दौरान वह अश्लील बातें भी करने लगे।

जनहित से जुड़े हर मुद्दे को सदन में रखें जनप्रतिनिधि : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान भवन में सर्वदलीय बैठक को किया संबोधित

- सीएम की सभी राजनीतिक दलों से अपील, प्रदेश के विकास के लिए करें स्वस्थ चर्चा
- विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक, 3 अगस्त (सोमवार) से प्रारंभ होगा विधानसभा का मानसून सत्र

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्ता पक्ष व विपक्षी दलों के जनप्रतिनिधियों (विधानसभा/विधान परिषद सदस्यों) से कहा कि जनहित से जुड़े हर मुद्दे को सदन में रखें। साथ ही स्वस्थ चर्चा कर विकास को और गति प्रदान करने में सरकार का सहयोग करें। उन्होंने विपक्षी दलों से सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने की अपील भी की। मुख्यमंत्री रविवार को विधान भवन में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में आयोजित सर्वदलीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। यह बैठक 3 अगस्त (सोमवार) से शुरू हो रहे विधानसभा के मानसून सत्र के संचालन के संबंध में आयोजित की गई थी। बैठक में नेता सदन योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मानसून सत्र में आमजन से जुड़े मुद्दों पर स्वस्थ चर्चा होनी चाहिए। इससे प्रदेश का विकास भी होता है और जनता की समस्याओं का समाधान भी। जनप्रतिनिधि को जनता के हित से जुड़े हर मुद्दों को सदन में गंभीरता से उठाना चाहिए। सीएम ने सभी सदस्यों से अपील की कि सदन के सुचारु संचालन में सभी सदस्यों का सहयोग मिलना चाहिए, इसमें किसी भी प्रकार की बाधा न आए। बैठक में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, वित्त/संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर, कांग्रेस विधान-मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी से रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया', निषाद पार्टी विधानमंडल दल के नेता रमेश सिंह, अपना दल (एस) के आरके पटेल तथा राष्ट्रीय लोकदल के राजपाल बालियान आदि मौजूद रहे।

बैराजों से छोड़ा गया लाखों क्यूसेक पानी ■ 27 गांवों पर मंडराया संकट

फिर बढ़ा बाढ़ का खतरा

संकट

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर में बनबसा, शारदा और गिरिजा बैराजों से लगातार पानी छोड़े जाने के बाद गांजरी क्षेत्र में एक बार फिर बाढ़ का खतरा गहराने लगा है। पिछले एक सप्ताह से जलस्तर में आई गिरावट के बाद अब शारदा और घाघरा नदियों का पानी तेजी से बढ़ रहा है। प्रशासन की ओर से रविवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार शारदा नदी खतरे के निशान से 0.54 मीटर और घाघरा नदी 1.43 मीटर नीचे बह रही है।



सिंचाई विभाग के अनुसार शारदा बैराज से 1.35 लाख क्यूसेक, बनबसा बैराज से 71,844 क्यूसेक और गिरिजा बैराज से 1.34 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। अनुमान है कि यह पानी अगले 24 घंटे के भीतर सीतापुर के गांजरी क्षेत्र में पहुंचेगा, जिससे दोनों नदियों का जलस्तर और बढ़ सकता है।

बढ़ते जलस्तर ने रामपुर मथुरा और रेउसा विकासखंड के तटवर्ती गांवों की चिंता बढ़ा दी है। रामपुर मथुरा के करीब 15 और रेउसा के लगभग 12 गांव संभावित बाढ़ की जद में आ सकते हैं। पिछले दो दिनों में नदियों का जलस्तर करीब 40 सेंटीमीटर बढ़ चुका है। इससे लगभग 150 बीघा कृषि भूमि के जलमग्न होने की आशंका है, जिससे किसानों की खड़ी फसल पर भी संकट गहरा गया है।

ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील

प्रशासन का कहना है कि हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। यदि जलस्तर और बढ़ता है तो प्रभावित गांवों में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए जाएंगे। साथ ही तटवर्ती क्षेत्रों के ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें, प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन करें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत स्थानीय अधिकारियों को सूचना दें।



प्रशासन ने बढ़ाई निगरानी

संभावित बाढ़ को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट हो गया है। क्लस्टरवार लेखपालों की तैनाती की गई है, जबकि संबंधित उपजिलाधिकारियों (एसडीएम) को जलस्तर पर लगातार नजर रखने और राहत-बचाव की तैयारियां पूरी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

तैयारी कर रहे युवक की मौत

दौड़ लगाते समय अज्ञात वाहन ने रौंदा, होमगार्ड परीक्षा भी की थी पास

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर के पिसावां थाना क्षेत्र में रविवार की सुबह करीब 7 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में सेना भर्ती की तैयारी कर रहे 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक रोज की तरह फिजिकल दौड़ की प्रैक्टिस के लिए घर से निकला था। इसी दौरान पिसावां-कुतुबनगर मार्ग पर पनहैया पुल के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।



जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के हुसैनपुर गांव निवासी तहेंद्र सिंह का पुत्र धीरेन्द्र सिंह रविवार सुबह सेना भर्ती की तैयारी के तहत कुतुबनगर से पिसावां की ओर दौड़ लगा रहा था। जब वह पनहैया पुल के पूर्वी छोर के पास पहुंचा, तभी पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और गंभीर हालत में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिसावां ले गए। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मां समेत अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सूचना मिलने पर पिसावां पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष प्रभात कुमार गुप्ता ने बताया कि हादसे को अंजाम देने वाले अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच कराई जा रही है। परिजनों की ओर से अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

फास्ट न्यूज

बाघिन के ताजा पदचिह्न मिलने से दहशत

सीतापुर। सीतापुर के संदना में 15 जुलाई को बाघिन के हमले में किसान कमल किशोर की मौत के 17 दिन बीत जाने के बावजूद आदमखोर बाघिन अब भी वन विभाग की पकड़ से बाहर है। शनिवार शाम को पश्चिम इमलीपुरवा, रसूलवा और कोडरीपुरवा गांव के आसपास बाघिन के ताजा पदचिह्न मिलने से ग्रामीणों में एक बार फिर दहशत फैल गई। कुछ ग्रामीणों ने खेतों के आसपास बाघिन को देखने का भी दावा किया है, जिसके बाद वन विभाग ने इलाके में कॉम्बिंग अभियान और तेज कर दिया है।

घर से निकले युवक पर जानलेवा हमला

सीतापुर। सीतापुर के थाना संदना क्षेत्र में शनिवार शाम घर से निकले एक युवक पर अज्ञात हमलावरों द्वारा जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। युवक गांव के बाहर गन्ने के खेत के पास कच्चे रास्ते पर बेहोशी की हालत में मिला। परिजनों का आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों और लात-घूंसों से मारपीट करने के साथ रूमाल से गला कसकर उसकी हत्या का प्रयास भी किया। घायल युवक का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना थाना संदना क्षेत्र के ग्राम बदनपुरवा मजरा आमाघाट की है। पीड़ित की मां मूला पत्नी बड़कन्ने के अनुसार, उनका बेटा शनिवार शाम करीब सात बजे शौच के लिए गांव के बाहर गया था। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिवार के लोगों ने उसकी तलाश शुरू की।

42 बीघा अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर

सीतापुर। सीतापुर में शहर और आसपास के क्षेत्रों में बिना स्वीकृत लेआउट के विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग के खिलाफ प्रशासन ने शनिवार शाम करीब पांच बजे बड़ी कार्रवाई की। सिटी मजिस्ट्रेट मीनाक्षी पांडेय के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान तीन स्थानों पर करीब 42 बीघा भूमि पर विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग और पुलिस की टीम भी मौके पर मौजूद रही।

गलत इलाज से जच्चा-बच्चा की मौत

घटना के बाद पीड़ित ने मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री से लगाई न्याय की गुहार

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के एक निजी अस्पताल में कथित लापरवाही के कारण एक गर्भवती महिला और उसके गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत के मामले में पीड़ित ने मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री समेत उच्च अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है। बीती 23 जुलाई को महिला और उसके पेट में पल रहे बच्चे की मौत हुई थी। पीड़ित पति ने अस्पताल प्रशासन और एक आशा बहू पर घोर लापरवाही का आरोप लगाया है। इस संबंध में पीड़ित अमित गुप्ता ने रविवार दोपहर 2 बजे जानकारी दी है।



अमित मूल रूप से हरियावां के मुरवां गांव के निवासी हैं और देहात कोतवाली के विकास नगर में रहते हैं। वह दिल्ली में टैक्सी चलाते हैं। उन्होंने बताया कि वह अपनी 9 माह की गर्भवती पत्नी सपना गुप्ता को एक पारिवारिक कार्यक्रम के लिए हरदोई लाए थे। दंपति का साढ़े पांच साल का एक बेटा वेंकटेश्वर भी है।

अमित के अनुसार, 23जुलाई की सुबह सपना को प्रसव पीड़ा हुई। पड़ोस की आशा बहू के कहने पर उन्हें सी.डी.ओ. आवास के पास स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल ने विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता का झूठा आश्वासन दिया, लेकिन इलाज एक एएनएम द्वारा किया गया। इस दौरान उनसे 44,000 रुपये भी वसूले गए।

दावा किया कि उसी शाम, कथित गलत इलाज और बेहोशी की दवा की ओवरडोज के कारण गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत हो गई। इसके कुछ समय बाद सपना गुप्ता ने भी दम तोड़ दिया, लेकिन फिर भी उन्हें यह जानकारी नहीं दी।

परिजनों ने आरोप लगाया कि घटना के तुरंत बाद, मामले को दबाने के लिए अस्पताल कर्मचारियों ने सपना को लखनऊ रेफर करने का नाटक किया और जबरन उसको एम्बुलेंस में रखकर भेज दिया। कछौना में उन्होंने एक अस्पताल में सपना को दिखाया तो डॉक्टर ने बताया कि महिला की 2घंटे पहले ही मौत हो चुकी है।

अमित ने इस मामले में मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, मानवाधिकार आयोग, पुलिस अधीक्षक और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को शिकायती पत्र भेजा है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज करने, अस्पताल का पंजीकरण रद्द कर उसे सील करने और सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

नाबालिग बहन की हत्या में चार पर केस दर्ज

भाई समेत अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर के बजेहरा में शनिवार सुबह नाबालिग बहन की गला काटकर हत्या किए जाने के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। मृतका के पिता राजाराम की तहरीर पर पुलिस ने हत्या के आरोपी भाई कोमल के अलावा मृतका के प्रेमी अनुराग यादव के बहन-बहनोई नेकपाल तथा भाई रामकुमार को नामजद किया है। पुलिस मुख्य आरोपी कोमल सहित सभी आरोपियों की तलाश में जुटी है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम बजेहरा निवासी राजाराम की नाबालिग पुत्री सुमिरता यादव 22 जुलाई को अपने प्रेमी अनुराग यादव के साथ घर से चली गई थी। अगले दिन 23 जुलाई को वह वापस घर



लौट आई थी। आरोप है कि इसके बाद भी अनुराग यादव की बहन और बहनोई नेकपाल तथा उसका भाई रामकुमार सुमिरता को अपने घर बुलाते थे और मोबाइल फोन उपलब्ध कराकर उसकी अनुराग से बातचीत करवाते थे। इस बात को लेकर परिवार में लगातार तनाव बना हुआ था।

इसी विवाद के चलते शनिवार सुबह सुमिरता और उसके भाई कोमल के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि गुस्से में आकर कोमल ने बांके से बहन के गर्दन पर ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई।

ई-रिक्शा की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

कार्रवाई

सीतापुर में इलाज के दौरान तोड़ा दम

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर के बिसवां कोतवाली क्षेत्र में रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे तेज रफ्तार ई-रिक्शा की टक्कर से एक साइकिल सवार की मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसवां ले जाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया।

उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गंगानगर गांव निवासी 55 वर्षीय कैलाश पुत्र बिन्द्रा रविवार दोपहर करीब 12 बजे



साइकिल से बिसवां से अपने घर लौट रहे थे। जब वह गांव के पास पहुंचे, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक ई-रिक्शा (ऑटो) ने उनकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कैलाश सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसवां पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान कैलाश ने दम तोड़ दिया। उनकी मौत की खबर मिलते ही इलाज के दौरान तोड़ा दम में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

चालक के खिलाफ कार्रवाई

सूचना मिलने पर बिसवां कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है और टक्कर मारने वाले ई-रिक्शा की पहचान कर चालक के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

युवक को बोलेरो ने मारी टक्कर

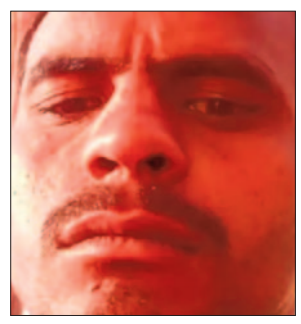
मौत, 15 दिन पहले बना था पिता ■ हरदोई में बच्चे और पत्नी को देखने गया था

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के साण्डी-बिलग्राम रोड पर शनिवार शाम एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसा शाम करीब 7:15 बजे मकसूदपुर मोड़ के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार बोलेरो ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक की पहचान हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के धौरहरा (मजरा दस्यौली) निवासी 24 वर्षीय दीपचन्द्र, पुत्र श्रीराम, के रूप में हुई है। दीपचन्द्र का विवाह चार वर्ष पहले बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के नकवापुर निवासी अमिका देवी से हुआ



था। परिजनों के अनुसार, करीब 15 दिन पहले उनकी पत्नी ने मायके में एक बच्चे को जन्म दिया था।

दीपचन्द्र शुक्रवार को अपनी पत्नी और नवजात बच्चे से मिलने ससुराल गया था। शनिवार देर शाम वह बाइक से अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान मकसूदपुर मोड़ के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी।

बोलेरो चालक के खिलाफ केस दर्ज

पुलिस ने बोलेरो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर सौंपा शव

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर परिजनों को जानकारी दी। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

- 15 दिन पहले पत्नी ने दिया था बच्चे को जन्म
- पत्नी और नवजात से मिलकर लौट रहा था

बैक गियर पर दौड़ाई कार

आगरा। कार चोरी के आरोपी ने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर फिल्मी स्टाइल में पुलिस को चकमा दिया। लंबे समय से उसकी तलाश में जुटी पुलिस ने फतेहाबाद टोल पर कार रोकने की कोशिश। लेकिन आरोपी ने रॉन्ग साइड में कार को 500 मीटर तक उल्टा (बैक गियर में) दौड़ा दिया। इसके बाद कार को घुमाकर रफ्तार भर दी। करीब सात किमी तक पुलिस को छकाया। फिर कार छोड़कर अपने साथी के साथ खेतों की ओर भाग निकला। पुलिस को एक्सप्रेसवे पर खड़ी कार में आरोपी की महिला मित्र मिली।

दावा: ₹42 हजार, बाइक लूट फर्जी ■ कोतवाल बोले- मनगढ़ंत सूचना देकर गुमराह करने का आरोप

बीसी के बकाया विवाद से बचने के लिए रची साजिश

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के कछौना कोतवाली क्षेत्र में 42 हजार रुपये और बाइक लूट की घटना पुलिस जांच में फर्जी निकली है। पुलिस का दावा है कि बीसी (कमेटी) के बकाया रुपये के विवाद से बचने के लिए युवक ने लूट की मनगढ़ंत कहानी गढ़ी और पुलिस को झूठी सूचना दी। मामले की जांच जारी है।

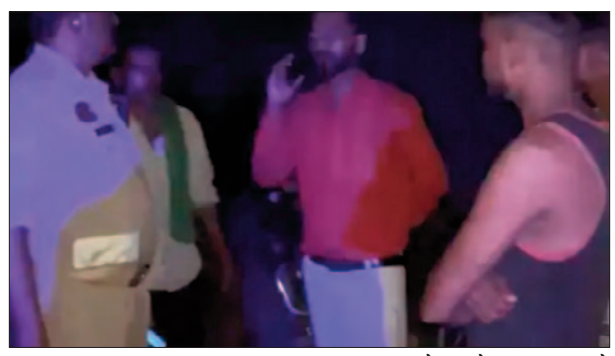
कलौली गांव निवासी अरुण राठौर, जो अपने पिता के साथ आटा चक्की का संचालन करते हैं, ने पुलिस को सूचना दी थी कि शनिवार रात करीब 10:30 बजे प्रतापनगर से लौटते समय मतुआ गांव के पास दो बाइकों पर सवार छह बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। आरोप था कि बदमाश उनकी बाइक और 42 हजार रुपए लूटकर फरार हो गए।



अरुण ने यह भी दावा किया था कि उसने सूझबूझ दिखाते हुए अपने 15 हजार रुपये और मोबाइल फोन झाड़ियों में फेंक दिए, जिससे वे बच गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया।

मामले की जांच के बाद कछौना कोतवाल अमित सिंह ने बताया कि पूरी घटना मनगढ़ंत पाई गई। जांच में सामने आया कि अरुण करीब दो वर्ष पहले बघौली के एक अस्पताल में कार्य करता था। उसी दौरान उसने सब्जी व्यापारी पुनीत राठौर, पारुल और अन्य लोगों के साथ मिलकर एक बीसी (कमेटी) चलाई थी।

पुलिस के अनुसार, अरुण ने बीसी से रकम तो निकाल ली थी, लेकिन बाद में अपनी किस्तें जमा नहीं कीं। इसी को लेकर पिछले दो वर्षों से उसका अन्य सदस्यों के साथ



विवाद चल रहा था।

जांच में यह भी सामने आया कि रविवार रात करीब 9:45 बजे बघौली चौराहे पर पुनीत और उसके साथियों ने अरुण को रोककर बकाया रकम की मांग की। इस दौरान अरुण ने अपनी बाइक उन्हें सौंप दी, जिसे बाद में पुनीत और उसके साथियों ने कछौना कोतवाली में खड़ा करा दिया।

पुलिस का कहना है कि इसके बाद अरुण ने अपने एक साथी को बुलाया और मतुआ गांव पहुंचकर 42 हजार रुपये और बाइक लूट की झूठी सूचना दे दी, ताकि खुद को बीसी विवाद से बचा सके।

कोतवाल अमित सिंह ने बताया कि पूरे प्रकरण की गहनता से जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लापता विवाहिता के दो मामले

युवती से बदसलूकी पर केस, मुंबई से आया महिला का फोन

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई । हरदोई जनपद में शनिवार को अपराध से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पहला मामला हरियावां थाना क्षेत्र में युवती से छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी का है, जबकि दूसरा बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र में घर से लापता विवाहिता के मुंबई से फोन करने से जुड़ा है।

हरियावां थाना क्षेत्र के एक गांव की 19 वर्षीय युवती के साथ 30 जुलाई की रात कथित तौर पर छेड़छाड़ की गई। पीड़िता के पिता की तहरीर के अनुसार, युवती शौच के लिए गांव के बाहर गई थी। इसी दौरान एक युवक ने उसके साथ बदसलूकी की। परिजनों का आरोप है कि युवती के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके की ओर आने लगे। इस पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से



फरार हो गया।

हरियावां थाने में शनिवार शाम करीब 6:52 बजे पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर छेड़छाड़ और आपराधिक धमकी की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दूसरा मामला बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र का है। यहां एक व्यक्ति ने अपनी 20 वर्षीय पत्नी के बिना बताए घर से चले जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। पति के अनुसार, गुमशुदगी दर्ज होने के बाद पत्नी का फोन आया, जिसमें उसने बताया कि वह मुंबई के कुर्ला स्टेशन पर है। शिकायतकर्ता का कहना है कि वह महिला से पूरा पता पूछ पाता, इससे पहले ही फोन कट गया। इसके बाद उसका मोबाइल नंबर बंद आने लगा।

- छेड़छाड़ और धमकी की धाराओं में दर्ज हुआ मुकदमा

पति ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि उसकी पत्नी अक्सर एक विशेष मोबाइल नंबर पर देर रात तक बातचीत करती थी। इस मामले में शनिवार शाम करीब सात बजे संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस महिला की तलाश के साथ-साथ पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

सम्पादकीय

करप्शन अगेंस्ट इंडिया



2004 से लेकर 2014 तक देश में यूपीए शासन रहा, जिसकी अगुवाई कांग्रेस ने की। इस सरकार पर 2010 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स, कोयला ब्लॉक आबंटन और 2जी स्पेक्ट्रम के आबंटन में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे। 2011 में अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार मिटाने के लिए लोकपाल लाने के नाम पर ही लंबा आंदोलन किया। जिसमें भाजपा और मीडिया का पूरा साथ रहा। तब फिल्म जगत के लोगों ने भी डॉ.मनमोहन सिंह का खूब मजाक उड़ाया। तब केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई पर भी सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख़ टिप्पणी करते हुए उसे पिंजरे का तोता कहा था। कांग्रेस के खिलाफ बने इस माहौल का ही असर था कि 2014 में भाजपा की सरकार बनी और इसके बाद कभी कांग्रेसमुक्त भारत तो कभी विपक्षमुक्त भारत बनाने की कोशिशें हुईं। यह और बात है कि भाजपा की ये कोशिशें नाकाम रहीं, मगर देश के लोकतांत्रिक ढांचे को इसमें जबरदस्त नुकसान हुआ है। ये सारी बातें इस समय करने की जरूरत पड़ रही है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कोयला ब्लॉक आबंटन मामले में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के ख़िलाफ़ आपराधिक मामले को बंद कर दिया और उन्हें समन जारी करने के आदेश को रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीबीआई ने 2014 में दो बार क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर साफ कहा था कि मनमोहन सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला चलाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं। इसके बावजूद विशेष अदालत ने क्लोजर रिपोर्ट खारिज कर दी थी और 2015 में उन्हें आरोपी के रूप में तलब कर लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने अब कहा कि विशेष अदालत के पास सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को ठुकराने का कोई ठोस कारण नहीं था, इसलिए अदालत ने उस आदेश को रद्द करते हुए मामला गुण-दोष के आधार पर बंद कर दिया। चूंकि 27 दिसंबर 2024 में मनमोहन सिंह का निधन हो चुका था, इसलिए यह फैसला उन्हें मरणोपरांत कानूनी राहत देने वाला माना जा रहा है। डा. सिंह अपने निर्दोष होने के फैसले को सुनने के लिए इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन जनवरी 2014 में अपनी आखिरी प्रेस कांफ्रेंस में मनमोहन सिंह ने भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े सवाल पर कहा था, 'मैं इस मामले में थोड़ा दुःखी महसूस करता हूं क्योंकि मैंने ही इस बात पर ज़ोर दिया था कि स्पेक्ट्रम आबंटन पारदर्शी और निष्पक्ष हो। मैं ही था जिसने ज़ोर देकर कहा था कि कोल ब्लॉक का आबंटन नीलामी के आधार पर हो, लेकिन इन तथ्यों को भुला दिया गया। इस मामले में विपक्ष का अपना स्वार्थ निहित था। कुछ मौक़ों पर मीडिया उनके हाथ का खिलौना भी बन गया।' उन्होंने कहा था कि 'इसलिए मेरे पास इसकी हर वजह है कि जब भी इस समय का इतिहास लिखा जाएगा, हम बेदाग़ बाहर आएंगे। मनमोहन सिंह ने कहा, 'मैं मानता हूं कि इतिहास मेरे प्रति आज के मीडिया के मुक़ाबले ज़्यादा उदार होगा। महज 12 साल पहले का ऐसा राजनैतिक माहौल अब सपने जैसा नजर आता है कि प्रधानमंत्री प्रेस कांफ्रेंस किया करते थे, अपने ऊपर और अपनी सरकार पर लगे आरोपों को लेकर जवाब देते थे। अब न तो प्रधानमंत्री प्रेस कांफ्रेंस करते हैं, न मीडिया के लोग उनसे भ्रष्टाचार पर बातें करते हैं। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी तो ताजा प्रकरण है, पिछले बारह बरसों में कई और ऐसे प्रकरण हुए, लेकिन हर बार नैरेटिव बदल कर सरकार को जवाबदेही से निकलने का मौका मीडिया देता रहा। फिलहाल नरेन्द्र मोदी तो यह कहने की स्थिति में नहीं हैं कि इतिहास मेरे साथ न्याय करेगा। लेकिन डॉ.मनमोहन सिंह जानते थे कि सच कभी पराजित नहीं होता, इसलिए उन्होंने पहले ही अपने साथ होने वाले न्याय की बात कह दी थी। दरअसल कोयला ब्लॉक आबंटन में यह आरोप लगाए गए कि सरकार ने निजी कंपनियों को बिना बोली लगाए आबंटन कर दिया, इससे कम से कम 10 लाख करोड़ का नुकसान हुआ है। यूपीए सरकार में कोयला सचिव रहे पी.सी. पारेख, इस मामले में व्हिसलब्लोअर माने जाते हैं। पारेख ने दावा किया था कि उन्होंने 2004 में ही प्रधानमंत्री को विवेकाधीन आबंटन प्रक्रिया में धोखाधड़ी की संभावना के बारे में लिखित रूप में सूचित किया था और खुली नीलामी की वकालत की थी। आरोप था कि प्रधानमंत्री ने इसे नजरअंदाज कर दिया और उनके कोयला मंत्रालय के कार्यकाल में बिना नीलामी के 142 कोयला ब्लॉक आबंटित कर दिए गए। डॉ. मनमोहन सिंह पर मुख्य आरोप 2005 में ओडिशा के तालाबिरा-द्वितीय कोयला ब्लॉक को हिंडाल्को इंडस्ट्रीज को आबंटित करने से जुड़ा था। जांच में यह आरोप लगा था कि इस आबंटन को मंजूरी देने से एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी को वित्तीय नुकसान हुआ और एक निजी कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। लेकिन लंबी जांच के बाद भी जब कुछ नहीं मिला तो अब न केवल मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की गई है, बल्कि डॉ. सिंह को क्लीन चिट भी मिल गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन : आत्मनिर्भर युवा, विकसित उत्तर प्रदेश की मजबूत आधारशिला

आज उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि युवा शक्ति के उज्ज्वल भविष्य का उद्घोष है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह मिशन लाखों युवाओं के सपनों को नई दिशा, नई गति और नई पहचान प्रदान कर रहा है।

आत्मनिर्भर युवा : विकसित उत्तर प्रदेश की मजबूत आधारशिला



युवा केवल किसी राष्ट्र की जनसंख्या का एक वर्ग नहीं, बल्कि उसके उज्ज्वल भविष्य की सबसे अमूल्य पूंजी होते हैं। जब उनके हाथों में कौशल, मन में आत्मविश्वास और सामने अवसरों का विस्तृत आकाश होता है, तब विकास का नया इतिहास रचा जाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने इसी विचार को आधार बनाकर कौशल विकास को जनआंदोलन का स्वरूप दिया है। आज उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन लाखों युवाओं के सपनों को साकार करने वाला ऐसा सशक्त सेतु बन चुका है, जो उन्हें आत्मनिर्भरता, सम्मानजनक आजीविका और राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ रहा है. भारत की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश के लिए कौशल विकास केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि आर्थिक प्रगति, रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता का सबसे सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने युवाओं को रोजगारपरक कौशल प्रदान करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसी उद्देश्य से उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन को अधिक प्रभावी, आधुनिक और उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया गया है। आज मिशन लाखों युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ते हुए प्रदेश को ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था तथा विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की ओर अग्रसर कर रहा है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन का गठन उत्तर प्रदेश कौशल विकास नीति-2013 के अंतर्गत व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के अधीन किया गया। मिशन का उद्देश्य 14 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को उनकी योग्यता और रुचि के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। मिशन के अंतर्गत राज्य स्किल डेवलपमेंट फंड (SSDF), दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (DDU-GKY) तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप प्रोजेक्ट प्रवीण जैसी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। प्रोजेक्ट प्रवीण के माध्यम से विद्यालयों के विद्यार्थियों को नियमित पाठ्यक्रम के साथ निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे शिक्षा के साथ-साथ रोजगारपरक दक्षता भी विकसित हो रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मिशन ने अभूतपूर्व उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। मिशन की स्थापना से अब तक 18 लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है, जबकि 7 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि प्रदेश सरकार कौशल विकास को सीधे रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ने में सफल रही है।

रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेशभर में व्यापक स्तर पर रोजगार मेलों का आयोजन किया गया है। अब तक 1,194 बृहद रोजगार मेलों के माध्यम से 4,52,976 युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया। इनमें 8 जनपदों में आयोजित 8 वृहद रोजगार मेलों के माध्यम से 75,575 युवाओं को रोजगार मिला। इसके अतिरिक्त विश्व युवा कौशल दिवस (15 जुलाई) के अवसर पर प्रदेश के 75 जनपदों में आयोजित रोजगार मेलों के माध्यम से 10,283 युवाओं का सेवायोजन किया गया। इससे स्पष्ट है कि प्रदेश सरकार युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

प्रदेश सरकार ने कौशल प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक और डिजिटल प्लेटफॉर्म का व्यापक उपयोग किया है। प्रशिक्षण प्रक्रिया को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए 'कौशल दर्पण', 'कौशल दिशा', 'कौशल साथी' तथा 'कौशल दोस्त' जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किए गए हैं। इन प्लेटफॉर्मों के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन, प्रशिक्षण, निगरानी, मूल्यांकन तथा रोजगार संबंधी सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही प्रशिक्षण केंद्रों और प्रशिक्षणार्थियों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग से पूरी व्यवस्था अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी बनी है।

उद्योगों की बदलती आवश्यकताओं को देखते हुए उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में निरंतर सुधार किया है। नई तकनीकों, डिजिटल स्किल, ग्रीन एनर्जी, स्वास्थ्य सेवाओं तथा भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 82 नए प्राइवेट ट्रेनिंग पार्टनर (PTPs) को मिशन से संबद्ध किया गया है। इससे युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध हो रहा है।

राज्य सरकार ने उद्योग और कौशल विकास के बीच मजबूत समन्वय स्थापित किया है। प्रदेश की 53 बड़ी औद्योगिक कंपनियों के साथ मिशन के समझौते किए गए हैं, जिससे प्रशिक्षण के बाद युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो रहे हैं। यह पहल 'स्किल टू एम्प्लॉयमेंट' मॉडल को सफल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कौशल प्रशिक्षण की गुणवत्ता को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने के लिए मिशन ने प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ भी साझेदारी की है। उच्च तकनीकी प्रशिक्षण हेतु IIT कानपुर, MNNIT प्रयागराज, IIT BHU, NIESBUD तथा भारतेन्दु नाट्य अकादमी जैसे संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित किया गया है। वहीं सॉफ्ट स्किल, वित्तीय साक्षरता और उद्यमिता विकास के लिए 7 संस्थानों के साथ एमओयू किए गए हैं। इससे युवाओं को तकनीकी ज्ञान के साथ व्यक्तित्व विकास और उद्यमिता का प्रशिक्षण भी प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में दिव्यांगजनों के लिए विशेष प्रशिक्षण और रोजगार कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। दिव्यांगजन रोजगार अभियान 2.0 के माध्यम से 1,182 दिव्यांगजनों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

आदर अदीब पावेल बन्धु
(जिला सूचना अधिकारी)

पाकिस्तान अधिकृत ... — ललित गर्ग

पीओके की पुकार और दुनिया की जिम्मेदारी



पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में इन दिनों जो परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं, वे केवल एक चुनावी प्रक्रिया की कहानी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और जनविश्वास के गहरे संकट की दास्तान हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति निष्पक्ष चुनाव, नागरिक स्वतंत्रता और शासन की जवाबदेही में निहित होती है, लेकिन जब चुनाव भय, हिंसा, प्रशासनिक दबाव और धांधली के आरोपों से घिर जाएँ, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत हो जाता है। आज पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति इसी कठोर वास्तविकता की ओर संकेत करती है। वहाँ के लोगों का आक्रोश केवल चुनावी अनियमितताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा, राजनीतिक भेदभाव और नागरिक अधिकारों की अनदेखी के विरुद्ध भी है। यही कारण है कि वहाँ का असंतोष अब स्थानीय मुद्दा न रहकर अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बनता जा रहा है। लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित नहीं होता। लोकतंत्र का अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के अपनी इच्छा व्यक्त कर सके और उसकी अभिव्यक्ति का सम्मान हो। यदि किसी क्षेत्र में चुनाव पहले से तय परिणामों का माध्यम बन जाएँ, यदि सत्ता का पूरा तंत्र एक दल विशेष के पक्ष में खड़ा दिखाई दे, यदि विरोध की आवाज को बलपूर्वक दबाया जाए और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो, तो उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में समय-समय पर ऐसे आरोप सामने आते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सत्ता का प्रभाव प्रशासन और चुनावी व्यवस्था पर स्पष्ट दिखाई देता है। यदि जनता के मन में यह विश्वास ही समाप्त हो जाए कि उसका मत परिवर्तन ला सकता है, तो लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण आधार ही समाप्त हो जाता है।

पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है। यदि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी या व्यवस्था विरोधी बताकर दबाने का प्रयास किया जाए, यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित कर दी जाए और यदि प्रशासन जनता के बजाय सत्ता के हितों की रक्षा करता दिखाई दे, तो लोकतांत्रिक मूल्यों की विश्वसनीयता स्वतः समाप्त होने लगती है। पाकिस्तान की यही दोहरी नीति आज उसके लोकतांत्रिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की सबसे बड़ी पीड़ा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद वहाँ का सामान्य नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। बिजली संकट, महँगाई, बेरोजगारी, आवश्यक वस्तुओं की कमी और विकास की धीमी गति ने जनजीवन को अत्यंत कठिन बना दिया है। यह विडंबना है कि जिन नदियों से ऊर्जा उत्पन्न होती है, उसी क्षेत्र के लोग लंबे समय तक बिजली कटौती झेलने को विवश हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनके संसाधनों का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन उनके विकास के लिए अपेक्षित निवेश नहीं किया जाता। ऐसी स्थिति में जनता के भीतर असंतोष का बढ़ना स्वाभाविक है।

लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी कसौटी यह होती है कि वह संकट के समय जनता के साथ किस प्रकार खड़ा रहता है। यदि जनता की शिकायतों का समाधान संवाद से करने के बजाय दमन से किया जाए, तो यह शासन की कमजोरी का प्रमाण होता है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों और असंतोष के प्रति जिस प्रकार का रवैया अपनाए जाने के आरोप लगते रहे हैं, वे चिंता पैदा करते हैं। लोकतंत्र का उत्तर हिंसा नहीं, बल्कि संवाद होता है। दुर्भाग्य से जब शासन संवाद छोड़कर शक्ति प्रदर्शन का मार्ग अपनाता है, तब जनता और व्यवस्था के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो जाती है। विश्व समुदाय के सामने भी यह एक गंभीर नैतिक प्रश्न है। यदि लोकतंत्र और मानवाधिकार वास्तव में सार्वभौमिक मूल्य हैं, तो उनका संरक्षण केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित नहीं होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ और महाशक्तियाँ अनेक अवसरों पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा की बात करती हैं।

किताब पढ़े बिना... — सुशांत

किताब और नई पीढ़ी



किताबें घर की सबसे सम्मानित सदस्य हुआ करती थीं। उन पर धूल जम जाए तो अपराधबोध होता था, आज धूल हट जाए तो आश्चर्य होता है। पहले बच्चे किताबों में भविष्य खोजते थे, अब मोबाइल में शॉर्ट्स और रील्स में सफलता का शॉर्टकट।

नई पीढ़ी का किताबों से रिश्ता बिल्कुल वैसा हो गया है जैसा नेताओं का चुनावी वादों से—ज़रूरत पड़ने पर याद कर लिया, फिर पाँच साल तक कोई खबर नहीं।

आज की पीढ़ी को यदि 300 पृष्ठों की किताब दे दी जाए तो पहला प्रश्न होता है—इसका सारांश है क्या? और यदि सारांश भी पाँच पन्नों का हो तो अगला सवाल—इसका भी एक मिनट का वीडियो मिल जाएगा?

किताब बेचैन है। वह सोचती है कि कभी लोग मुझे पढ़ने के लिए रात-रात भर जागते थे, अब मैं अलमारी में जागती रहती हूँ और लोग मोबाइल लेकर सो जाते हैं। ज्ञान अब मेहनत से नहीं, कॉपी-पेस्ट से प्राप्त होने लगा है। शोध का अर्थ पुस्तकालय में बैठना नहीं, बल्कि इंटरनेट पर सबसे ऊपर दिखाई देने वाली पंक्ति को अपना विचार घोषित कर देना है। उद्धरण भी ऐसे दिए जाते हैं कि लेखक का नाम भूल जाएँ, लेकिन इमोजी लगाना न भूलें। नई पीढ़ी का आत्मविश्वास भी अद्भुत है। किताब पढ़े बिना ही हर विषय पर विशेषज्ञता का दावा कर देती है। इतिहास दो मिनट में समझा देती है, अर्थशास्त्र तीन मिनट में और दर्शनशास्त्र तो एक प्रेरणादायक पोस्ट पढ़कर ही आत्मसात कर लेती है।

लेकिन दोष केवल नई पीढ़ी का भी नहीं है। हमने ही उन्हें यह सिखाया कि अंक ज्ञान से बड़े हैं, प्रमाणपत्र पुस्तकों से बड़े हैं और वायरल होना विद्वान होने से अधिक महत्वपूर्ण है। ऐसे में किताबें भला किससे शिकायत करें?

फिर भी किताबें आशावादी हैं। उन्हें विश्वास है कि एक दिन स्क्रीन की चकाचौंध से थकी आँखें फिर किसी पुस्तक के पन्नों पर सुकून खोजेंगी। क्योंकि मोबाइल सूचना दे सकता है, पर किताब विचार देती है; इंटरनेट उत्तर दे सकता है, पर किताब प्रश्न पूछना सिखाती है। इसलिए, यदि कभी आपको मुस्कराती हुई दिखाई दे, तो समझ लीजिए वह कह रही है—बेटा, कभी मुझे भी 'स्वाइप' करके देख लो; शायद तुम्हारा जीवन 'स्क्रॉल' होने से बच जाए।

जरा हटके

यह विवाद उस ... — अशोक भाटिया

पंजाब कांग्रेस का घमासान और चुनावी समीकरण



पंजाब कांग्रेस में जारी अंदरूनी घमासान खुली बगावत और शक्ति-प्रदर्शन का मैदान बन चुका है। आगामी विधानसभा चुनावों से ठीक पहले पार्टी के भीतर मचे इस घमासान ने केंद्रीय आलाकमान की चिंताओं को बढ़ा दिया है। पंजाब कांग्रेस प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव भूपेश बघेल की मौजूदगी में संगरूर और पटियाला में हुई हालिया हिंसक झड़पें, नारेबाजी और हाथापाई ने यह साबित कर दिया है कि पार्टी के भीतर दरारें बहुत गहरी हो चुकी हैं। यह आलेख पंजाब कांग्रेस के इस मौजूदा संकट, इसके मुख्य चेहरों, विपक्षी दलों के रुख, भूपेश बघेल की रिपोर्ट और आगामी चुनावी समीकरणों पर इसके असर का विस्तृत विश्लेषण करता है। पंजाब में कांग्रेस का यह संकट नया नहीं है, लेकिन हालिया सांगठनिक फेरबदल के बाद इसने तीव्र रूप अख्तियार कर लिया है। पार्टी के भीतर मुख्य मुकाबला दो धड़ों के बीच है। एक तरफ अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग (प्रदेश अध्यक्ष) का गुट है, जिन्हें दिल्ली आलाकमान का खुला समर्थन हासिल है। दूसरी तरफ चरणजीत सिंह चन्नी (पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद) का गुट है, जो वर्तमान नेतृत्व को हटाने और चन्नी को कमान सौंपने की मांग पर अड़ा है। यह विवाद उस समय पूरी तरह सार्वजनिक हो गया जब पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल राज्य के संगठनात्मक दौरे पर आए थे। पटियाला और संगरूर की बैठकों में जैसे ही राजा वड़िंग ने बोलना शुरू किया, चन्नी समर्थकों ने चन्नी लाओ, पंजाब बचाओ के नारे लगाने शुरू कर दिए। बात इतनी ज्यादा बढ़ गई कि दोनों गुटों के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए, धक्का-मुक्की हुई और प्रभारी मूकदर्शक बनकर देखते रह गए। इस घमासान के पीछे केवल व्यक्तिगत वर्चस्व की लड़ाई नहीं है, बल्कि इसके गहरे राजनीतिक आयाम भी हैं। चन्नी खेमे का आरोप है कि राजा वड़िंग की कार्यशैली तानाशाही पूर्ण है और वे पुराने वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार कर रहे हैं। आलाकमान द्वारा वरिष्ठ नेता मदन लाल जलालपुर को निलंबित किए जाने के बाद चरणजीत सिंह चन्नी ने सीधे उनके घर जाकर मुलाकात की। यह कदम सीधे तौर पर प्रदेश अध्यक्ष राजा वड़िंग को एक खुली राजनीतिक चुनौती थी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर भी जंग जारी है। आगामी विधानसभा चुनावों के लिए चन्नी गुट चाहता है कि पार्टी अभी से मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करे, जबकि भूपेश बघेल ने स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव से पहले चेहरा घोषित नहीं किया जाएगा और पार्टी सामूहिक नेतृत्व में ही चुनाव लड़ेगी। राजा वड़िंग द्वारा दिए गए कुछ बयानों (जैसे पूर्व केंद्रीय मंत्री बूटा सिंह के रंग पर की गई टिप्पणी) ने भी आग में घी का काम किया, जिसके लिए बाद में उन्हें बिना शर्त माफी भी मांगनी पड़ी थी। कांग्रेस का इतिहास लगभग आठ दशकों से आंतरिक गुटबाजी का रहा है। 2021 में कैप्टन अमरिंदर सिंह बनाम नवजोत सिंह सिद्धू विवाद को पूरी दुनिया ने देखा था, जिसके कारण 2022 के चुनावों में कांग्रेस मात्र 18 सीटों पर सिमट गई थी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार स्थिति और भी ज्यादा गंभीर है। पिछली बार जब विवाद हुआ था तब कांग्रेस सत्ता में थी, तो मुख्यमंत्री की कुर्सी दांव पर लगी थी। इस बार पार्टी विपक्ष में है और लड़ाई इस बात की चल रही है कि पार्टी के पुनरुद्धार का श्रेय किसे मिले। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे का केंद्रीय नेतृत्व राजा वड़िंग को हटाकर राष्ट्रीय स्तर पर एक और गलत संदेश नहीं देना चाहता, क्योंकि इससे बगावत की एक नई परंपरा शुरू हो सकती है। पंजाब कांग्रेस के इस खुले ड्रामे पर भारतीय जनता पार्टी ने बेहद आक्रामक और रणनीतिक रुख अपनाया है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब कांग्रेस के इस संकट पर तीखा कटाक्ष करते हुए आरोप लगाया कि यह लड़ाई पंजाब के भविष्य की नहीं, बल्कि केवल और केवल कुर्सी की है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस की इस अंतर्कलह को लेकर राहुल गांधी की 'मोहब्बत की दुकान' के नारे पर निशाना साधा और दावा किया कि जो पार्टी अपने नेताओं को नहीं संभाल सकती, वह राज्य क्या संभालेगी। इसके साथ ही, पंजाब भाजपा प्रवक्ता सरचंद सिंह ने आरोप लगाया कि राजा वड़िंग के कुछ बयान सिख अस्मिता और पगड़ी का अपमान हैं। भाजपा खुद को राज्य में एकमात्र स्थिर और अनुशासित विकल्प के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रही है। पंजाब की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी के लिए कांग्रेस का यह संकट एक बड़ी राजनीतिक ढाल बनकर उभरा है। वर्तमान मुख्यमंत्री और 'आप' के नेता इस कलह का इस्तेमाल अपनी प्रशासनिक नाकामियों (जैसे कानून व्यवस्था और विकास कार्यों की धीमी गति) से जनता का ध्यान भटकाने के लिए कर रहे हैं। 'आप' प्रवक्ताओं का तर्क है कि कांग्रेस कभी भी पंजाब की भलाई नहीं सोच सकती क्योंकि उसके नेता केवल अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में लगे हैं। वे जनता के सामने यह नैरेटिव सेट कर रहे हैं कि विपक्ष पूरी तरह बिखर चुका है, इसलिए राज्य में केवल आम आदमी पार्टी ही स्थिर सरकार दे सकती है। दूसरी तरफ, शिरोमणि अकाली दल (SAD), जो इस समय पंजाब की राजनीति में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए संघर्ष कर रहा है, कांग्रेस के इस संकट को बेहद बारीकी से देख रहा है। अकाली दल ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि यह वही गुटबाजी है जिसने पहले पंजाब को बर्बाद किया और आज भी कांग्रेस के पास पंजाब के किसानों, युवाओं और सिखों के मुद्दों के लिए कोई ठोस नीति नहीं है। अकाली दल इस कलह के जरिए कांग्रेस के पारंपरिक सिख और ग्रामीण वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश कर रहा है। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल के सामने जिस तरह की अनुशासनहीनता और धक्का-मुक्की हुई, उसने आलाकमान को बेहद कड़ा रुख अपनाने पर मजबूर कर दिया है।

78 साल बाद राजा बाग में जली बिजली

विकास **सफर : डिबरी की जगह पंखे-फ्रिज चले ■ बच्चों के चेहरे खिले**

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के सिद्धौर विद्युत उपकेंद्र व विकासखंड की ग्राम पंचायत अरुई स्थित 'राजा बाग गांव' में आजादी के 78 साल बाद पहली बार बिजली पहुंची है। बीते रविवार को दोपहर 3 बजे यह ऐतिहासिक क्षण आया, जब गांव में बिजली दौड़ते ही ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी छा गई।

अब तक मिट्टी के तेल की डिबरी, मोमबत्ती या छोटे सोलर पैनलों के सहारे जीवन यापन करने वाले इस गांव में अब पंखे और फ्रिज चलने लगे हैं।

बिजली की रोशनी में बच्चों के चेहरे खिल उठे हैं, जो अब पढ़ाई कर पा रहे हैं। ग्रामीणों ने इस सौगात के लिए विद्युत विभाग और सरकार का आभार व्यक्त किया है।





गांव तक बिजली पहुंचाना आसान नहीं था। सिद्धौर विद्युत उपकेंद्र पर तैनात जूनियर इंजीनियर (जेई) दयाल चंद्र के व्यक्तिगत प्रयास और कड़ी मेहनत इसमें सबसे अहम साबित हुई।

पदभार संभालने के बाद उन्हें पता चला कि राजा बाग गांव आजादी के बाद से ही बिजली सुविधा से वंचित है, जिसे उन्होंने एक चुनौती के रूप में लिया।

इससे पहले भी कई प्रयास विफल हो चुके थे। हालांकि, जेई दयाल चंद्र ने विभागीय स्तर पर व्यक्तिगत रुचि लेते हुए गांव को 'एरोज' (AROGE) योजना के तहत चयनित करवाया। एरोज (AROGE) विद्युत विभाग की एक विशेष योजना है। इसके अंतर्गत आजादी के बाद से अब तक बिजली से पूरी तरह वंचित रहे दूर-दराज के इलाकों और मजरों को चिन्हित कर वहां नए पोल, ट्रांसफॉर्मर और तार बिछाकर बुनियादी बिजली ढांचा तैयार किया जाता है।

इसी योजना के तहत गांव तक नई बिजली लाइन बिछाने का खाका तैयार किया गया। अथक प्रयासों के बाद लाइन का निर्माण पूरा करवाकर सभी इच्छुक ग्रामीणों को बिजली कनेक्शन मुहैया कराए गए। जूनियर इंजीनियर दयाल चंद्र ने बताया कि उनके एक छोटे से प्रयास से आज पूरे गांव का जीवन सुखद और रोशन हो सका है, यही उनके काम की सबसे बड़ी संतुष्टि है।

सिपाही ने पंखे से लटककर दी जान

बैरक में टी-शर्ट फाड़कर फंदा बनाया

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में पीएसी में तैनात एक सिपाही ने बैरक के अंदर फंदे से लटककर जान दे दी। सिपाही की ड्यूटी महादेवा मंदिर में लगी थी। उसकी टीम ड्यूटी पर चली गई थी, लेकिन सिपाही बैरक में ही रुका हुआ था। सिपाही ने अपनी टी-शर्ट फाड़कर उसका पंखे पर फंदा बनाया। फिर उससे लटक गया।

मौके पर पहुंचे अन्य सिपाहियों ने जब शव लटका देखा, तो अफसरों को सूचना दी। इस पर पीएसी कमांडेंट राकेश कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। सिपाही का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस अफसरों का कहना है कि सिपाही मोबाइल में ऑनलाइन गेम खेला करता था। गेम में हारने की वजह से उस पर काफी



■ ऑनलाइन गेम खेलने से कर्ज में डूब गया था

कर्ज हो गया था। वह सुबह से थोड़ा परेशान दिख रहा था। मामला मसौली में स्थित पीएसी का रविवार सुबह 6 बजे का है।

सिपाही का नाम दीपक कुमार (28) था। वह मेरठ का रहने वाला था। 10वीं वाहिनी पीएसी में उसकी तैनाती थी। उसकी भर्ती 2021 में हुई थी। दीपक की शादी 4 साल पहले 2022 में हुई थी। उसकी 2 साल की एक बेटी भी है।

फास्ट न्यूज

रायबरेली में अवैध खनन पर छापा

रायबरेली। रायबरेली जिले में अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई की है। शनिवार देर रात सदर तहसील प्रशासन और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम लोधवारी में छापेमारी कर 2 जेसीबी मशीनें और 5 डंपर जब्त किए। सदर एसडीएम गौतम सिंह को क्षेत्र में अवैध खनन की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए, एसडीएम ने राजस्व विभाग और पुलिस की एक संयुक्त टीम का गठन किया।

शटरिंग मजदूर का शव झाड़ियों में मिला

रायबरेली। रायबरेली जिले के सलोन कोतवाली क्षेत्र में रविवार सुबह गणेशगंज बाईपास के पास झाड़ियों के पीछे एक शटरिंग मजदूर का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान ग्राम रग्घू पुर निवासी शिवकेश उर्फ गुड्डन पासी, पुत्र विशराम, के रूप में हुई है। वह शटरिंग मजदूर के रूप में काम कर परिवार का भरण-पोषण करता था। शव मिलने की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल था।

गैंगस्टर एक्ट वांछित समेत 5 गिरफ्तार

रायबरेली। रायबरेली पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गैंगस्टर एक्ट में वांछित एक आरोपी समेत पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई कोतवाली नगर और सरेनी थाना पुलिस ने अलग-अलग अभियान चलाकर की। सभी आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय भेज दिया गया। कोतवाली नगर पुलिस ने 31 जुलाई को मुखबिर की सूचना पर दुर्गा नगर मोड़ के पास से गैंगस्टर एक्ट में वांछित राजेश वर्मा को गिरफ्तार किया।

महादेवा मार्ग के मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी

श्रावण मेला के लिए दवा उपलब्धता और लाइसेंस की जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी प्रशासन ने श्रावण माह और कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मेडिकल स्टोरों पर निगरानी बढ़ा दी है। शनिवार शाम 5 बजे जिलाधिकारी के निर्देश पर औषधि निरीक्षक रजिया बानो ने महादेवा मार्ग स्थित कई मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान, मेडिकल स्टोरों पर जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता, लाइसेंस और अन्य आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। औषधि निरीक्षक ने सभी संचालकों को निर्देश दिए कि दवा बिक्री का वैध लाइसेंस स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाए और प्राथमिक उपचार सामग्री सहित आवश्यक दवाओं का पर्याप्त स्टॉक हर समय उपलब्ध रखा जाए।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेडिकल स्टोर संचालकों को निःशुल्क स्वास्थ्य सहायता स्टॉल लगाने, पेयजल और विश्राम की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, जिले के ब्लड सेंटरों को भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त मात्रा में रक्त उपलब्ध रखने को कहा गया है।



औषधि निरीक्षक रजिया बानो ने चेतावनी दी कि यदि निरीक्षण के दौरान किसी मेडिकल स्टोर पर नियमों का उल्लंघन, दवाओं की कमी या अन्य अनियमितता पाई गई, तो संबंधित संचालक के खिलाफ औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

करोड़ों की लागत से बने गरीबों के घर बने खंडहर

अनदेखी **5 साल बाद भी नहीं मिला कब्जा, फ्लैट्स पर दबंगों का कब्जा**

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली के बरखापुर गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत बनाए गए बहुमंजिला आवास प्रशासनिक अनदेखी की भेंट चढ़ गए हैं। गरीब परिवारों को छत देने के उद्देश्य से करोड़ों रुपये खर्च कर बनाए गए फ्लैट्स करीब पांच साल बाद भी खाली पड़े हैं और अब धीरे-धीरे खंडहर में तब्दील होते जा रहे हैं।

रायबरेली विकास प्राधिकरण (RDA) की ओर से बनाए गए इन आवासों में अब तक एक भी पात्र लाभार्थी को कब्जा नहीं मिल सका है। देखरेख के अभाव में सरकारी संपत्ति जर्जर हो रही है, जबकि जिन गरीब परिवारों के लिए यह योजना बनाई गई थी, वे आज भी अपने आशियाने का इंतजार कर रहे हैं।



30 वर्ग मीटर के फ्लैट, 4.50 लाख में हुआ था निर्माण

बरखापुर में बनाए गए प्रत्येक फ्लैट का क्षेत्रफल करीब 30 वर्ग मीटर है। इसमें एक बेडरूम, लॉबी, किचन, स्नानघर और टॉयलेट की सुविधा दी गई थी। अधिकारियों के अनुसार एक फ्लैट के निर्माण पर करीब 4.50 लाख रुपये खर्च हुए थे, जबकि लाभार्थियों के लिए इसकी कीमत 2 लाख रुपये निर्धारित की गई थी। आवेदन और बुकिंग की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी इन आवासों में गरीब परिवारों को बसाया नहीं जा सका।

दरारों में बदल रही दीवारें, उखड़ने लगीं सीढ़ियां

लंबे समय तक खाली पड़े रहने और रखरखाव न होने के कारण फ्लैट्स की हालत खराब हो चुकी है। इमारतों के खंभों में दरारें दिखाई देने लगी हैं। सीढ़ियां टूट रही हैं और दीवारों का प्लास्टर भी जगह-जगह से उखड़ रहा है। इसके अलावा परिसर में बिजली, पानी, सीवर और पक्की सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं भी पूरी तरह विकसित नहीं हो सकीं। सुविधाओं के अभाव में लाभार्थी यहां रहने से वंचित हैं।

फ्लैट्स में अवैध कब्जा, गोदाम और पशु बांधने का काम

खाली पड़े इन आवासों पर अब दबंगों और असामाजिक तत्वों की नजर पड़ गई है। कई कमरों में अवैध रूप से सामान रखा जा रहा है और उन्हें गोदाम की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। कुछ कमरों में मवेशी भी बांधे जा रहे हैं। लावारिस पड़े परिसर में अराजक तत्वों और नशेड़ियों की आवाजाही से आसपास रहने वाले लोग भी परेशान हैं। स्थानीय लोगों ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है।

लाभार्थियों ने की सुविधाएं पूरी कर कब्जा देने की मांग

लाभार्थियों और स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि सरकार की महत्वपूर्ण योजना के तहत बने आवासों को जल्द से जल्द रहने योग्य बनाया जाए। लोगों ने मांग की है कि बिजली, पानी, सीवर और अन्य जरूरी सुविधाओं के लिए बजट जारी कर पात्र गरीब परिवारों को उनके आवास सौंपे जाएं, ताकि सरकारी संपत्ति को बर्बाद होने और अवैध कब्जों से बचाया जा सके।

बाराबंकी के नगीने का विमोचन

30 समाजसेवियों के संघर्ष और सेवा को किताब में मिली जगह

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी शहर के एक निजी होटल में रविवार को समाजसेवी और प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. अबरार हक उस्मानी की चर्चित पुस्तक 'बाराबंकी के नगीने' का विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम में शहर की प्रतिष्ठित हस्तियां और प्रमुख समाजसेवी मौजूद रहे।

यह किताब बाराबंकी के उन 30 महान समाजसेवियों के संघर्ष, समर्पण और उत्कृष्ट कार्यों को समर्पित है, जिन्होंने निःस्वार्थ भाव से समाज को नई दिशा दी है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. अबरार हक उस्मानी ने अपनी लेखन यात्रा साझा की।

उन्होंने बताया कि यह किताब फेसबुक और व्हाट्सएप पर लिखी कुछ पंक्तियों से शुरू हुई थी।



डॉ. उस्मानी, जो स्वयं गरीब-बेसहारा बच्चियों की शादी कराने, जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाने और मुफ्त मेडिकल कैंप के जरिए हजारों जिंदगियों को संवारने जैसे सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहे हैं, ने बताया कि उनकी बेगम उनके लेखन से बहुत खुश होती थीं।

उनकी बेगम हमेशा सलाह देती थीं कि किसी के बारे में भी लिखते समय केवल उसकी अच्छाइयों और संघर्ष को ही सामने लाना चाहिए, कमियों को नहीं। डॉ. उस्मानी ने बताया कि 20 अगस्त 2020 को बेगम के अचानक निधन के बाद वे पूरी तरह टूट गए थे और उनका



कलम रुक गया था।

हालांकि, बाद में बेगम की यादों और उनकी इच्छा को जीवित रखने के लिए उन्होंने न केवल दोबारा लिखना शुरू किया, बल्कि 'फालदना बेगम बेमिनल ट्रस्ट' का गठन भी किया।

इसी ट्रस्ट के माध्यम से वे आज शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज सेवा के कई कार्य कर रहे हैं, ताकि उनकी बेगम की आत्मा को शांति मिल सके। यह पुस्तक बाराबंकी के गौरवशाली इतिहास और यहां के 'असली नगीनों' की कहानियों को हर नागरिक तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गई है।

20 फीट लंबे अजगर ने हिरण को जकड़ा

ग्रामीणों के शोर मचाने पर छोड़ा, नहीं पहुंची वन विभाग की टीम

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में लोनीकटरा थाना क्षेत्र के मुबारकपुर गांव के जंगल में रविवार दोपहर करीब 1 बजे अजगर ने हिरण को जकड़ लिया। 20 फीट लंबे अजगर ने हिरण को मुंह की तरफ से निगलने की कोशिश की।

खेतों की ओर जा रहे ग्रामीणों ने झाड़ियों में हलचल देखी तो मौके पर पहुंचे। वहां उन्होंने अजगर को हिरण को निगलने की कोशिश करते देखा। ग्रामीणों के शोर मचाने पर अजगर हिरण को छोड़कर पास के जंगल की ओर भाग गया।

ग्रामीणों के अनुसार, अजगर की मजबूत जकड़ और लंबे समय तक निगलने के प्रयास के कारण हिरण का दम घुट गया था। अजगर के छोड़ने तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी

■ वन विभाग की कार्यशैली पर उठे सवाल
■ बच्चों और मवेशियों की सुरक्षा को लेकर चिंता

जताई। उनका आरोप है कि सूचना देने के कई घंटे बाद भी विभाग की कोई टीम मौके पर नहीं पहुंची। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में अक्सर जंगली जानवरों की आवाजाही रहती है, लेकिन इसे रोकने या निगरानी के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों को आशंका है कि अजगर आबादी वाले इलाके की ओर भी आ सकता है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि एहतियात के तौर पर गांव के कुछ युवक लाठी-डंडों के साथ आसपास निगरानी कर रहे हैं, ताकि अजगर आबादी में प्रवेश न कर सके और किसी तरह की अप्रिय घटना न हो।

अलर्ट : एसपी ने लोधेश्वर महादेवा मंदिर व यात्रा मार्ग का निरीक्षण ■ सुरक्षा व्यवस्था परखी

श्रावण मेला और कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में श्रावण मास मेला और कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। रविवार देर रात पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने रामनगर थाना क्षेत्र स्थित लोधेश्वर महादेवा मंदिर और कांवड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

रविवार रात करीब 1 बजे एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने कांवड़ यात्रा



मार्ग और लोधेश्वर महादेवा मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं के आवागमन मार्ग, पुलिस पिकेट, बैरिकेडिंग, वाहनों के रूट डायवर्जन, पेट्रोलिंग व्यवस्था और संवेदनशील स्थलों का बारीकी से निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान एसपी ने संबंधित अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के साथ-साथ भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरह तैयार रहे।

पुलिस अधीक्षक ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर लगातार गश्त करने, संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को पूरी मुस्तैदी के साथ जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।



श्रावण मेले के लिए व्यापक इंतजाम

पुलिस प्रशासन के अनुसार, श्रावण मेले और कांवड़ यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। उद्देश्य यह है कि श्रद्धालु सुरक्षित, व्यवस्थित और सुगम वातावरण में दर्शन और कांवड़ यात्रा पूरी कर सकें।

रेप पीड़िता से मिलने रायबरेली पहुंचा सपा का प्रतिनिधिमंडल

बोले- आरोपी नहीं पकड़े गए तो सड़क से सदन तक होगा आंदोलन

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली के डीह थाना क्षेत्र में दुष्कर्म पीड़िता के घर रविवार को समाजवादी पार्टी का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल पहुंचा। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर पहुंचे नेताओं ने पीड़िता और उसके परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और हरसंभव न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। इस दौरान सपा नेताओं ने भाजपा पर आरोपियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो पार्टी इस मुद्दे को सड़क से लेकर सदन तक उठाएगी।

प्रतिनिधिमंडल में सपा सांसद



एवं प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी सी.एल. वर्मा पासी, जिलाध्यक्ष इंजीनियर वीरेंद्र यादव, सलोन विधानसभा प्रभारी पुत्तन सिंह यादव, ब्लॉक अध्यक्ष आदर्श यादव, विनोद कुमार यादव समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहे।

मीडिया से बातचीत में जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा पीड़ितों और शोषितों की आवाज उठाती रही है। उन्होंने घटना की निंदा करते हुए कहा कि इस जघन्य अपराध से पूरा समाज आहत है।

वीरेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि घटना में शामिल लोग सत्ताधारी दल से जुड़े हैं और सत्ता के संरक्षण के कारण उनकी गिरफ्तारी नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि एक ओर भाजपा महिला सुरक्षा और सम्मान की बात करती है, वहीं दूसरी ओर ऐसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

सपा नेताओं ने कहा कि यदि आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी नहीं हुई तो पार्टी इस मामले को सड़क से लेकर सदन तक उठाएगी। सांसद और विधायक विधानसभा व संसद में मुद्दा उठाने के साथ ही प्रदेशभर में धरना-प्रदर्शन भी करेंगे।

विकसित भारत' का संकल्प, 250 से अधिक युवाओं ने बनाई मानव श्रृंखला

एमआईटी में गूंजा नशा मुक्त युवा

अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के स्वायत्तशासी निकाय माय भारत के तत्वावधान में मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) परिसर में रविवार को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' संकल्प अभियान का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेते हुए देश को विकसित भारत बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इस दौरान 250 से अधिक युवाओं ने मानव श्रृंखला बनाकर नशे के खिलाफ जनजागरूकता का संदेश दिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक संबोधन का लाइव प्रसारण भी देखा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बागपत लोकसभा सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान, एमआईटी के निदेशक डॉ. के.एल.ए. खान, प्रिंसिपल डॉ. हिमांशु शर्मा, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. संजय माथुर तथा अजय चौधरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। माय भारत के प्रोग्राम सुपरवाइजर नरेंद्र त्यागी ने उपस्थित युवाओं को नशामुक्त भारत की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत युवा हैं और उनकी जागरूकता से ही समाज में सकारात्मक बदलाव संभव है। उन्होंने युवाओं से अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने कहा कि नशे की लत केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करती है। अनेक युवा नशे के कारण अपने सपनों और उज्ज्वल भविष्य से दूर हो जाते हैं। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, खेल, कौशल विकास, नवाचार और राष्ट्र सेवा को अपनी प्राथमिकता बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि हर युवा नशामुक्ति अभियान का संदेशवाहक बने। एमआईटी के निदेशक डॉ. के.एल.ए. खान ने संस्थान में गठित नशा मुक्ति क्लब का उद्घाटन किया और क्लब के सदस्यों को संस्थान का नशा मुक्ति ब्रांड एंबेसडर घोषित किया।



250 से अधिक युवाओं ने बनाई मानव श्रृंखला

कार्यक्रम के दौरान 250 से अधिक युवाओं ने एमआईटी परिसर में मानव श्रृंखला बनाकर नशे के खिलाफ एकजुटता का संदेश दिया। इस अवसर पर युवाओं ने नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो, स्वस्थ युवा–समृद्ध भारत और नशामुक्त भारत, विकसित भारतश जैसे नारों के माध्यम से समाज को जागरूक किया। इस अभियान में छात्रों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

66 अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का युवा नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में अपनी ऊर्जा लगाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव संबोधन सुना

आयोजन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लाइव प्रसारण किया गया। प्रधानमंत्री ने युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने और दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि देश का युवा अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाएगा तो विकसित भारत का लक्ष्य शीघ्र ही प्राप्त किया जा सकेगा।

आखिर क्यों निशाना बनाए जा रहे हैं पत्रकार?

महिला पत्रकार के साथ अभद्रता की घटना पर जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया (रजि.) ने जताई चिंता

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली / बाराबंकी। गैर मान्यताप्राप्त पत्रकारों के संगठन जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया (रजि.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनुराग सक्सेना ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित धरना-प्रदर्शन के दौरान एक महिला पत्रकार के साथ कथित अभद्रता की घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की है। डॉ. अनुराग सक्सेना ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में कार्य करने वाले पत्रकार लगातार विभिन्न परिस्थितियों में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं, लेकिन कई बार उन्हें कवरेज के दौरान अभद्र व्यवहार, हमले, धमकियों और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं न केवल पत्रकारों की सुरक्षा पर सवाल खड़े करती हैं, बल्कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए भी गंभीर चुनौती हैं। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकारों से मांग की कि पत्रकारों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए तथा पत्रकारों के साथ होने वाली हिंसा और उत्पीड़न की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही लंबे समय से लंबित पत्रकार सुरक्षा कानून के विधेयक को अविलंब मंजूरी देकर प्रभावी रूप से लागू किया जाए, ताकि देशभर के पत्रकार निर्भय होकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकें। डॉ. सक्सेना ने कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा केवल पत्रकारों का मुद्दा नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ा विषय है।

फास्ट न्यूज

डीपीएस के छात्र ने सुसाइड किया

कानपुर। कानपुर में 10वीं के स्टूडेंट ने पढ़ाई के टेंशन में सुसाइड कर लिया। जब मां बेटे को बुलाने कमरे में पहुंची तो उसके होश उड़ गए। चीखपुकार सुन परिजन कमरे में गए और शव को फंदे से उतार कर रिजेंसी हॉस्पिटल ले गए। जहां डॉक्टरों ने किशोर को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल कर शव को रविवार को सुबह पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया।

24 लाख की चांदी पर राजस्थान के कारीगर का दावा

कानपुर। कानपुर में मंदिर के बाहर मिले 10 किलोग्राम चांदी पर राजस्थान के कारीगर ने दावा किया है। कारीगर ने अपने अधिवक्ता के जरिए अपनी बात रखी है। हालांकि पुलिस ने वैरिफिकेशन के लिए चांदी कारीगर से दस्तावेज मांगे हैं। अब कारीगर कल यानी सोमवार को दस्तावेज लेकर पहुंचेंगे फीलखाना थाने से 20 मीटर दूरी की दूरी पर स्थित गीता मंदिर के चबूतरे पर लावारिस हालत में एक बैग व दो कार्टून रखे मिले थे। इलाके में रहने वाले बुजुर्ग रिक्शा चालक शफीक ने लावारिस बैग की जानकारी पुलिस को दी।

मिनी बस की टक्कर से सुपरवाइजर की मौत

कानपुर। कानपुर के महाराजपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार मिनी बस की टक्कर से गंभीर रूप से घायल स्कूटी सवार बुजुर्ग की उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया था, जहां से हालत गंभीर होने पर हैलट अस्पताल रेफर किया गया था। चार दिन तक चले उपचार के बाद शनिवार शाम उनकी मौत हो गई। महाराजपुर थाना क्षेत्र के छतमरा गांव निवासी नीरज मिश्रा (59) एक निजी फर्म में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थे।

एक घायल, फायर टीम ने गाड़ी काटकर निकाला शव, हरदोई से आजमगढ़ जा रही थी गाड़ी

सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर पिकअप पलटी, ड्राइवर की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

सुल्तानपुर। जिले के अखंडनगर थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में दवाओं से लदी पिकअप पलट गई। हादसा सुबह करीब नौ बजे किमी 178.1 के पास हुआ, जब पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका सहयात्री गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, हरदोई जिले के संडीला से खेती-किसानी में इस्तेमाल होने वाली दवाइयों से लदी पिकअप आजमगढ़ जा रही थी। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर अखंडनगर क्षेत्र में पीछे से आए अज्ञात वाहन ने पिकअप में टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसका केबिन पूरी तरह दब गया, जिससे चालक और सहयात्री उसमें फंस गए। हादसे में चालक सरफुद्दीन (35) निवासी थाना महोली, जनपद सीतापुर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं सहयात्री सलमान अली गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और कादीपुर फायर स्टेशन की टीम मौके पर पहुंच गई। राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया और घायल को तत्काल एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया, जहां उसका उपचार जारी है।

फायर ब्रिगेड की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाते हुए पलटी हुई पिकअप के केबिन को काटकर दोनों लोगों को बाहर निकाला। इस अभियान में फायरकर्मी यशवंत यादव, राम आधार पटेल और विकास यादव ने काफी मशक्कत के बाद वाहन में फंसे मृतक और घायल को सुरक्षित बाहर निकाला। राहत कार्य के दौरान कुछ समय के लिए एक्सप्रेस-वे पर यातायात भी प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य करा दिया गया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान और चालक की तलाश में जुटी हुई है। क्षेत्राधिकारी कादीपुर विनय कुमार ने बताया कि हरदोई के संडीला से आजमगढ़ जा रही पिकअप को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन-178 के पास पीछे से अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी।



सुल्तानपुर के शादाब ने नीट में हासिल की शानदार रैंक

इंटर में जिला टॉप करने वाले छात्र का अंसारी संगठन ने किया सम्मान

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर के मोहम्मद शादाब अंसारी ने नीट परीक्षा में 720 में से 653 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक 1252 हासिल की है। इस शानदार सफलता से जिले में खुशी का माहौल है। रविवार एक बजे अंसारी संगठन ने छात्र के सम्मान में एक समारोह आयोजित किया। शादाब अंसारी ने इससे पहले वर्ष 2025 में इंटरमीडिएट परीक्षा में सुल्तानपुर जिले में टॉप किया था। यह उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता का दूसरा बड़ा प्रमाण है। मोहम्मद शादाब अंसारी इटकौली निवासी डॉ. शमीम अंसारी के पुत्र हैं। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार, गुरुजनों, मित्रों और क्षेत्रवासियों ने खुशी व्यक्त की है। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वे एक योग्य चिकित्सक बनकर समाज और देश की सेवा करेंगे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में इंटरमीडिएट में टॉप करने पर भी अंसारी संगठन ने अपने वार्षिक कार्यक्रम में शादाब को सम्मानित किया था। इसी कड़ी में, मोमिन अंसार फोरम ने अपनी मासिक बैठक में नीट टॉपर मोहम्मद शादाब की हौसला अफजाई की। सम्मान समारोह के दौरान, फोरम के वरिष्ठ सदस्य अजीज अंसारी ने शादाब के पिता डॉ. शमीम अंसारी का सम्मान किया। फोरम के संरक्षक अतीक अंसारी ने मोहम्मद शादाब को गुलपोशी कर सम्मानित किया। फोरम के अध्यक्ष फरहत उल्ला अंसारी और उस्मान अंसारी ने शादाब को स्मृति चिन्ह और बुके भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर जिया अंसारी, मोहतमिम अंसारी, हाजी हसीब अंसारी, नियाज अंसारी, इफ्तेखार अंसारी, मोहम्मद इलियास अंसारी, सईद अंसारी, मौलाना उबैदुल्लाह अंसारी, फ़ैज़ी, मालिक अंसारी, अनवर फौजी, हसीब अंसारी, अदील अंसारी, आरिफ अंसारी और मीडिया प्रभारी जावेद अंसारी सहित कई गणमान्य व्यक्ति और मीडियाकर्मी उपस्थित रहे। सभी ने शादाब को गुलदस्ता भेंट कर बधाई दी।



सोनई मॉडल इंटर कॉलेज के नए प्रधानाचार्य बने डॉ. अखिलेश यादव

तमसा संकेत, संवाददाता

सोनई (मथुरा)। माध्यमिक शिक्षा विभाग में पीईएस कैडर में पदोन्नति के बाद डॉ. अखिलेश यादव ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज, सोनई में प्रधानाचार्य पद का कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। डॉ. अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी प्राथमिकता विद्यालय को शैक्षिक उत्कृष्टता, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और नवाचार का आदर्श केंद्र बनाना है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम, डिजिटल एवं कौशल आधारित शिक्षण, पर्यावरण संरक्षण तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर देने की बात कही। समारोह में प्रधानाचार्य बृजेश कुमार, भवानी शंकर, जुगल किशोर, जनार्दन राजभर, बृजेश अग्निहोत्री, उमेश कुमार, योगेंद्र सिंह, दीप्ति वार्ष्णेय, पूनम सहित विद्यालय परिवार मौजूद रहा। वहीं श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज, महावन के प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार मिश्रा एवं स्काउट मास्टर विनोद कुमार शुक्ला ने भी डॉ. यादव को शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि डॉ. अखिलेश यादव जनपद मथुरा में स्काउट कमिश्नर, बलदेव ब्लॉक के नोडल अधिकारी तथा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के ब्लॉक प्रभारी के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं।



अलीगढ़ में प्रोफेसर और छात्र प्रोग्राम में हुए शामिल, पीएम मोदी का वर्चुअल भाषण सुना

एएमयू में नशा मुक्ति की शपथ दिलाई

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान के तहत विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कैनेडी ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षकों, कर्मचारियों, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सभी ने नशा मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लेते हुए नशा मुक्ति की शपथ ली और प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन का सीधा प्रसारण भी देखा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के प्रो-वाइस चांसलर प्रोफेसर मोहम्मद मोहसिन खान रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए युवाओं का स्वस्थ, जागरूक और नशामुक्त होना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि देश की युवा शक्ति ही भारत की सबसे बड़ी ताकत है और यदि युवा नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहेंगे तो देश तेजी से विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। प्रोफेसर मोहसिन खान ने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाते हुए समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों की भूमिका केवल शिक्षा प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक चेतना और सकारात्मक बदलाव लाने में भी उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। कार्यक्रम में मौजूद छात्र-छात्राओं ने भी नशा मुक्त भारत अभियान का समर्थन करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रधानमंत्री के आह्वान को केवल एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का जनआंदोलन बताया। छात्रों ने स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम युवाओं को सही दिशा देने और समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने का प्रभावी माध्यम हैं। कार्यक्रम के अंत में युवाओं से अपील की गई कि वे नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं और स्वस्थ, सुरक्षित तथा विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।



प्रो. मोहसिन खान ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और पूरे समाज पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। इसलिए शिक्षण संस्थानों और समाज के सभी वर्गों को मिलकर नशामुक्त वातावरण बनाने की दिशा में काम करना चाहिए।

पृष्ठ 01 का शेष...

पाक में आत्मघाती हम...

घायलों को सैदू शरीफ टीचिंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है।
फिलहाल किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। पुलिस हाई अलर्ट पर है। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को सील कर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।
धमाके से पहले रविवार को कई लोग आतंकवाद के खिलाफ शांति रैली निकाल जा रहे थे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने स्वात में बढ़ रही आतंकवादी घटनाओं की निंदा की। डॉन के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनके आंदोलन का एक ही मकसद है, इलाके में शांति लौटाना और आतंकवाद का खात्मा करना। उन्होंने कहा कि यह सरकार की जिम्मेदारी है। अगर असुरक्षा का माहौल जारी रहा तो लोगों में बड़ा जनआक्रोश पैदा हो सकता है। प्रदर्शन में शामिल प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन शांतिपूर्ण नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई करता है, जबकि स्वात के पहाड़ी इलाकों में आतंकवादी खुलेआम सक्रिय हैं।

कर्नाटक में जल्द हो...

इसके अलावा, डीके शिवकुमार और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के गुटों की ओर से अलग-अलग नाम सुझाए जा रहे हैं। कर्नाटक में लिंगायत (लगभग 17%) सबसे बड़ा समुदाय है, जबकि दक्षिण कर्नाटक में वोक्कालिगा (लगभग 15%) का दबदबा है, जिसका नेतृत्व उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार करते हैं। वहीं, कुरबा (लगभग 7-8%) समाज एक प्रमुख पिछड़ा वर्ग है, जिससे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया आते हैं और वे अपनी अहिंदा राजनीति के जरिए मजबूत पकड़ रखते हैं। सिद्धारमैया के बेटे डॉ. यतींद्र सिद्धारमैया को भी कैबिनेट में शामिल किया गया है।

'मुझे मारने आए थे...

इसी विरोध को लेकर पप्पू यादव समेत विपक्षी नेताओं पर राजनीतिक बयानबाजी तेज हुई थी। अब प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनके साथ धक्कामुक्की ने विवाद को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है। घटना के बाद पप्पू यादव ने कहा कि उनके हाथ में चाकू था वो लोग मुझे मारने आए थे।
दिल्ली स्थित आवास पर रविवार शाम सांसद पप्पू यादव के मीडिया बाइट के दौरान उस समय हंगामा हो गया, जब दो युवक उनसे बहस करने लगे। घटना के समय मौजूद लोगों के मुताबिक दोनों ने आरोप लगाया कि वह सनातन धर्म का अपमान कर रहे हैं, जिसके बाद तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। इसी दौरान एक युवक ने कथित तौर पर चप्पल निकालकर उनकी ओर फेंकने की कोशिश की, लेकिन वहां मौजूद समर्थकों ने दोनों को पकड़ लिया और उनकी पिटाई शुरू कर दी। दोनों युवकों ने वहां से भागने की कोशिश की, लेकिन मौके पर मौजूद दिल्ली पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। पप्पू यादव रविवार को ही दिल्ली से बाहर का दौरा खत्म कर लौटे थे और उनसे मिलने के लिए आवास पर कई कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद थे। पप्पू यादव और उनके समर्थकों का दावा है कि दोनों युवक चाकू लेकर आए थे, हालांकि पुलिस की ओर से इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।
वहीं, बिहार के पूर्णिया में पप्पू यादव ने इस पूरे विवाद और एफआईआर को लेकर कहा, 'क्या मुझे भगवा पहनने का अधिकार नहीं है? एफआईआर से राहुल गांधी कभी नहीं डरे, प्रियंका गांधी कभी नहीं डरीं, फिर पप्पू यादव कैसे डर जाए? सनातन और भगवान के साथ गद्दारी करने वालों के खिलाफ, सनातन और भारत के लोगों की आस्था की रक्षा करने के लिए अगर पप्पू यादव को मरना होगा, मैं हर दिन कफन बांधकर निकलता हूं।' पप्पू यादव के इस बयान के बाद राम मंदिर चढ़ावा विवाद को लेकर सियासी बयानबाजी और तेज होने के संकेत हैं।

शनिवार को हिंदू संग...

इस पर रविवार को पप्पू यादव ने चेतावनी देते हुए कहा- अगर मेरे बच्चों और परिवार तक पहुंचे, तो महाभारत से भी बड़ा महाभारत होगा। हम अपनी लड़ाई में बच्चों को शामिल नहीं करते। हमें ऐसे कमजोर संस्कार नहीं मिले हैं।मानसून सत्र के 10वें दिन पप्पू यादव भगवा चोला पहनकर साधु के वेश में दानपेटी लेकर संसद भवन पहुंचे थे।
संसद परिसर में राममंदिर चढ़ावा चोरी के विरोध में एक शॉर्ट प्ले किया गया था। पुजारी बनकर आए पप्पू यादव ने जमीन पर बैठे थे। इसके बाद राहुल गांधी समेत अन्य सांसदों ने उन्हें चंदा दिया। दान के पैसे पप्पू यादव पेटी में न डालकर अपने पास रख रहे थे। प्रदर्शन के दौरान पप्पू यादव अयोध्या सांसद के पैर छूते दिखाई दिए थे।

बसपा में फिर कलह...

बसपा सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट करते हुए लिखा कि जैसाकि सर्वविदित है कि श्री अशोक सिद्धार्थ, पूर्व सांसद को महाराष्ट्र के चुनाव में खासकर पार्टी टिकट के बंटवारे को लेकर बी.एस.पी. महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष आदि के साथ सही से तालमेल करके नहीं चलने की वजह से अनुशासनहीनता व दिशा-निर्देश का उल्लंघन करने पर पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था तथा उन्हें दोबारा पार्टी में इस शर्त के साथ वापस लिया गया था कि वे दोबारा ऐसी ग़लती नहीं करेंगे और साथ ही उन्हें उत्तर प्रदेश में कहीं पर भी नहीं, बल्कि केवल दूसरे राज्यों में ही पार्टी के जनाधार को बढ़ाने की ज़िम्मेदारी दी जायेगी। लेकिन उसके बाद जिन भी राज्यों की ज़िम्मेदारी बी.एस.पी. कोआर्डिनेटर के रूप में उन्हें दी गयी वहाँ इन्होंने अपनी ज़िम्मेदारी को सही से नहीं निभाया।

इंडोनेशिया में फेरी बोट...

आग लगने की वजह साफ नहीं हो सकी है। फिलहाल लापता लोगों की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। हादसे के दौरान के कुछ विजुअल्स सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। इनमें यात्री जलती हुई फेरी के अगले हिस्से की तरफ भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। घटना के सामने आए वीडियो में आग फैलने के बाद कई लोग घबराए हुए थे। रॉयटर्स के मुताबिक, बचाव दल आसपास के समुद्री इलाके में लापता लोगों की तलाश कर रहा है। सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी के मुताबिक हादसे के बाद कई बचाव बोट्स और अन्य संसाधनों को मौके पर भेजा गया। राहत दल समुद्र में सर्च ऑपरेशन चला रहा है ताकि लापता लोगों का पता लगाया जा सके। अधिकारियों ने कहा कि ऑपरेशन अभी जारी है और मृतकों या लापता लोगों की संख्या में बदलाव हो सकता है। जुलाई 2025 में नॉर्थ सुलावेसी प्रांत के पास 'केएम बार्सिलोना 5' नाम की फेरी बोट में आग लग गई थी। उस हादसे में तीन लोगों की मौत हुई थी, जबकि करीब 150 लोगों को बचाया गया था। फेरी में करीब 280 लोग सवार थे। मई 2021 में 'केएम कार्य इंदाह' नाम की फेरी टरनेट से रवाना होने के कुछ देर बाद आग की चपेट में आ गई थी। उस दौरान यात्रियों और क्रू को जान बचाने के लिए समुद्र में छलांग लगानी पड़ी थी। स्थानीय मछुआरों और बचाव एजेंसियों की मदद से 181 यात्रियों, जिनमें 22 बच्चे भी शामिल थे, और 14 क्रू मेंबर को सुरक्षित निकाल लिया गया था। उस हादसे में कोई मौत नहीं हुई थी। इंडोनेशिया दुनिया का सबसे बड़ा द्वीपीय देश है, जहां 17 हजार से ज्यादा द्वीप हैं।

यूपी सरकार की सर्वद...

इसमें सीएम योगी मुख्य सचेतक और सभी सचेतकों को सत्र के दौरान पार्टी की रणनीति बताएंगे। शाम 6 बजे लोक भवन में भाजपा विधायक दल की बैठक होगी।
सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा ने कहा- यूपी में 25 करोड़ लोग हैं। यहां की विभिन्न समस्याएं हैं। इन समस्याओं पर हम लोग चाहते हैं कि चर्चा हो, लेकिन सरकार ने सत्र बहुत छोटा कर दिया है। तीन दिन में 25 करोड़ जनता की समस्याओं पर बोलना संभव नहीं है। सरकार चाहती है कि मुद्दों पर चर्चा न होने पाए। इसीलिए चर्चा से भागने के लिए हाउस को बहुत छोटा करने का काम किया है। मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा- सरकार पूरी तरह तैयार है। अनुपूरक बजट लाने के लिए सरकार ये सत्र बुला रही है। वे (विपक्ष) हर सत्र में सरकार को घेरने की तैयारी करते हैं, लेकिन सदन में जब सरकार चर्चा के लिए तैयार होती है, तब सदन छोड़कर भाग जाते हैं। कांग्रेस और सपा के लोग ही पेपर लीक में लिप्त हैं, कड़ा कानून बन जाएगा तो उन्हें कैसे बचा पाएंगे। उन्हें बचाने के लिए ये लोग चिंतित हैं।

'अमेरिका जाने का...

गुजरात के सूरत निवासी अमित तिवारी ने इस संबंध में चुनाव आयोग और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को लेटर लिखकर मामले की जांच की मांग की है। साथ ही उन्होंने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की ओर से सीजेपी के प्रदर्शनकारियों के लिए घोषित एक करोड़ रुपये के कानूनी सहायता कोष की भी जांच की मांग की अपील की है।

कप्तान हार्दिक पंड्या के ट्रेड पर फ्रेंचाइजी बोली- अभी ट्रेड पर कोई बातचीत नहीं

आईपीएल : 2027 ट्रेड विंडो से पहले मुंबई इंडियंस का रिव्यू

बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL 2026 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद मुंबई इंडियंस ने अपने पूरे स्क्वॉड और क्रिकेट संचालन की व्यापक समीक्षा शुरू कर दी है। टीम के खराब प्रदर्शन के बीच सबसे ज्यादा चर्चा कप्तान हार्दिक पंड्या को लेकर हो रही है। पिछले कुछ दिनों में कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि हार्दिक ट्रेड विंडो के दौरान किसी दूसरी फ्रेंचाइजी में जा सकते हैं। हालांकि अब तक किसी भी तरह के ट्रेड या बातचीत की आधिकारिक पुष्टि नहीं



हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि कई विकल्पों और विचारों का मूल्यांकन किया जा रहा है, इसलिए अंतिम निर्णय में समय लगना स्वाभाविक है हार्दिक पंड्या को लेकर अटकलें इसलिए भी तेज हुई हैं क्योंकि हाल ही में ऐसी रिपोर्ट सामने

स्पोर्टस्टार से बातचीत में मुंबई इंडियंस के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि फ्रेंचाइजी फिलहाल पोस्ट-सीजन रिव्यू की प्रक्रिया में है। उन्होंने कहा कि टीम के सभी पहलुओं पर विस्तार से विचार किया जा रहा है और अभी खिलाड़ियों के ट्रेड को लेकर किसी औपचारिक बातचीत में शामिल नहीं हुआ गया है।

आई थी कि चेन्नई सुपर किंग्स उन्हें अपनी टीम में शामिल करने पर विचार कर सकती है। इसके अलावा



मुंबई इंडियंस IPL 2026 में 9वें स्थान पर रही थी।

राजस्थान रॉयल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स जैसी फ्रेंचाइजी का नाम भी संभावित दिलचस्पी रखने वाली टीमों में लिया जा रहा है। हालांकि इन सभी खबरों पर अभी तक संबंधित टीमों की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सूत्रों के मुताबिक मुंबई इंडियंस का रिव्यू केवल कप्तानी या खिलाड़ियों तक सीमित नहीं है। फ्रेंचाइजी अपने लीडरशिप ग्रुप, कोचिंग स्टाफ और ओवरऑल क्रिकेट ऑपरेशंस का भी मूल्यांकन कर रही है। टीम प्रबंधन ऐसे स्क्वॉड के पुनर्गठन की दिशा में सोच रहा है जो लंबे समय तक लगातार खिताबी दौड़ में बना रह सके। पिछले कुछ वर्षों में टीम का प्रदर्शन अस्थिर रहा है और यही कारण है कि अब संगठन व्यापक बदलावों पर विचार कर रहा है। मुंबई इंडियंस का पिछले तीन सीजन का रिकॉर्ड इस उतार-चढ़ाव को साफ दिखाता है। 2024 में टीम ग्रुप स्टेज से बाहर हो गई थी। 2025 में पांच बार की चैंपियन फ्रेंचाइजी ने वापसी करते हुए प्लेऑफ में जगह बनाई, जिससे उम्मीद जगी कि टीम फिर से मजबूत बन रही है। लेकिन 2026 में एक बार फिर मुंबई इंडियंस लीग चरण से आगे नहीं बढ़ सकी। लगातार बदलते प्रदर्शन ने टीम प्रबंधन को भविष्य की रणनीति पर गंभीरता से सोचने के लिए मजबूर कर दिया है।

अब सभी की नजर मुंबई इंडियंस के पोस्ट-सीजन रिव्यू पर टिकी हुई है। यह देखना दिलचस्प होगा कि फ्रेंचाइजी हार्दिक पंड्या पर भरोसा बनाए रखती है या टीम में बड़े बदलावों की दिशा में कदम उठाती है। फिलहाल इतना तय है कि मुंबई इंडियंस आने वाले सीजन के लिए नई रणनीति और अधिक संतुलित स्क्वॉड तैयार करने की कोशिश में जुटी हुई है।

कॉमनवेल्थ गेम्स का आखिरी दिन

जूडो और साइक्लिंग में भारत को 5 मेडल की उम्मीद

ग्लासगो, एजेंसी

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के आखिरी दिन भारत जूडो तथा ट्रैक साइक्लिंग में अपनी चुनौती पेश करेगा। ट्रैक साइक्लिंग और पैरा ट्रैक साइक्लिंग में रोनाल्डो सिंह लैतोंजाम और लिशा दास सीधे मेडल इवेंट में उतरेंगे। जूडो में ईशरूप नारंग, अवतार सिंह और यश घंघास मुकाबले खेलेंगे। भारत अब तक 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज सहित 39 मेडल जीत चुका है और मेडल टैली में चौथे स्थान पर हैं। दिन की शुरुआत ट्रैक साइक्लिंग की पुरुष 40 किमी प्वाइंट्स रेस से होगी। दिनेश कुमार और हर्षवीर सिंह सेखों पहले राउंड में उतरेंगे। क्वालिफाई करने पर दोनों खिलाड़ी रात 9:09 बजे होने वाले फाइनल



में हिस्सा लेंगे। महिला 78 किग्रा वर्ग में ईशरूप नारंग का मुकाबला स्कॉटलैंड की निकोल वुड से होगा। वहीं पुरुष 100 किग्रा वर्ग में अवतार सिंह साइप्रस के एरिस्टोस माइकल से भिड़ेंगे। पुरुष +100 किग्रा वर्ग में यश घंघास अपना अभियान शुरू करेंगे। यदि भारतीय खिलाड़ी शुरुआती मुकाबले जीतते हैं तो वे क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। जूडो के सेमीफाइनल मुकाबले शाम 7:30 बजे से शुरू होंगे।

हार्दिक ने सिर मुंडवाया, तिरुपति बालाजी के दर्शन किए

गर्लफ्रेंड महिका शर्मा भी साथ, आईपीएल के बाद से नहीं खेला है कोई मैच

तिरुमाला, एजेंसी

भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने रविवार को तिरुमाला के वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति बालाजी) में पूजा-अर्चना की। इस दौरान हार्दिक सिर मुंडवाए हुए थे। हार्दिक के साथ उनकी गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा भी मौजूद थीं। मंदिर में दर्शन के दौरान हार्दिक और माहिका दोनों ही पारंपरिक सफेद कपड़ों में दिखाई दिए। तिरुमाला मंदिर में श्रद्धालु अक्सर आस्था और आभार के प्रतीक के रूप में अपने बाल दान करते हैं। हालांकि, हार्दिक ने अभी तक यह साफ नहीं किया है कि उन्होंने सिर क्यों मुंडवाया है। हार्दिक चोट से उबरकर वापसी की कोशिश कर रहे हैं। हार्दिक पंड्या IPL 2026 के बाद से चोट के कारण क्रिकेट से दूर



हैं। पहले उन्हें पीठ में अकड़न की समस्या हुई, फिर जांघ की चोट ने उनकी वापसी टाल दी। IPL 2026 में उन्होंने मुंबई इंडियंस की कप्तानी की थी, लेकिन पांच बार की चैंपियन टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी। चोट के कारण हार्दिक अफगानिस्तान के खिलाफ लिमिटेड ओवर सीरीज, इंग्लैंड दौरे की वनडे और टी-20 सीरीज तथा जिम्बाब्वे के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज भी नहीं खेल सके। उन्होंने IPL 2026 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है। ऐसे में माना जा रहा है कि तिरुमाला में पूजा-अर्चना के साथ वह अब मैदान पर वापसी की तैयारियों में जुट गए हैं। हार्दिक पंड्या ने मुंबई इंडियंस छोड़ने की चर्चा चल रही है। हालांकि, अभी तक इस बारे में अधिकारिक बयान नही आया है। पंड्या 2015 से 2021 तक MI की ओर से खेले थे। इसके बाद उन्होंने टीम छोड़ दी और दो साल (2022 और 2023) गुजरात टाइटंस की कप्तानी की। 2024 में उनकी मुंबई में वापसी हुई और उन्हें रोहित शर्मा की जगह कप्तान बनाया गया। 2024 में मुंबई 10वें और आखिरी स्थान पर रही। 2025 में टीम प्लेऑफ में पहुंची लेकिन खिताब नहीं जीत पाई। इन दोनों सीजन के दौरान और उसके बाद खबरें आई कि पंड्या मुंबई छोड़ सकते हैं या मुंबई उनसे कप्तानी छीन सकती है।

जसप्रीत बुमराह श्रीलंका टेस्ट सीरीज से बाहर

घुटने की चोट से उबर नहीं पाए, 15 अगस्त से खेली जाएगी सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। सीरीज का पहला मुकाबला 15 अगस्त से गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा, लेकिन बुमराह इस श्रृंखला में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं होंगे। उनकी अनुपस्थिति टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका मानी जा रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, बुमराह इस समय बाएं घुटने की चोट से उबर रहे हैं। उनका पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चल रहा है। मेडिकल टीम ने उनकी मौजूदा स्थिति का आकलन करने के बाद फिलहाल प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी नहीं करने की सलाह दी है। डॉक्टरों का मानना है कि जल्दबाजी में मैदान पर लौटना उनकी फिटनेस के लिए जोखिम भरा



हो सकता है, इसलिए उन्हें पूरी तरह स्वस्थ होने तक आराम करने को कहा गया है। हालांकि, इस मामले में बीसीसीआई की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि बोर्ड मेडिकल टीम की अंतिम रिपोर्ट के बाद ही बुमराह की वापसी को लेकर फैसला करेगा। गौरतलब है कि बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में खेली गई वनडे सीरीज के दौरान चोटिल हो गए थे। चोट के कारण वह सीरीज का आखिरी वनडे मुकाबला भी नहीं खेल सके थे। अब उनकी गैरमौजूदगी में भारतीय टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी अन्य गेंदबाजों पर होगी। भारतीय टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि बुमराह पूरी तरह फिट होकर आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में वापसी करेंगे।

32 साल के बुमराह को मंगलवार को भारत की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया था, लेकिन उनका खेलना फिटनेस पर निर्भर था। पीटीआई की रिपोर्ट में कहा गया था कि बुमराह श्रीलंका सीरीज के लिए फिट हो जाएंगे।

सिराज-प्रसिद्ध भी टीम में शामिल

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टीम में मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को भी जगह मिली है। बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज के कंधों पर तेज गेंदबाजी का जिम्मा होगा। गुरनूर बरार भी टीम का हिस्सा हैं। उन्होंने अब तक टेस्ट डेब्यू नहीं किया है।

बुमराह ने श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट खेले

बुमराह ने श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट खेले हैं, जिसमें 9.00 की औसत के साथ उन्होंने कुल 10 विकेट लिए हैं। एक पारी में 5 विकेट हॉल भी ले चुके हैं। उन्होंने श्रीलंका की धरती पर अब तक कोई टेस्ट नहीं खेला है। बुमराह ने अपने टेस्ट करियर में 234 विकेट लिए हैं। भारत और श्रीलंका के बीच अब तक 17 टेस्ट सीरीज खेली गई हैं। इनमें टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहा है।

भारत ने 10 सीरीज जीती हैं, जबकि श्रीलंका को 3 में जीत मिली है।

दोनों टीमों के बीच 4 सीरीज ड्रॉ रही हैं। श्रीलंका पिछले छह सीरीज से भारत को नहीं हरा सका है। उसने भारत के खिलाफ आखिरी टेस्ट सीरीज जीत 2008 में दर्ज की थी, यानी उसे करीब 18 साल से भारत के खिलाफ सीरीज जीत का इंतजार है।

मनोरंजन

ऋतिक रोशन पर भड़की कंगना रनोट

बोलीं- आग में घी डालने जैसा व्यवहार बंद करें और अपनी पार्टनर को शर्मिंदा न करें



मुंबई। कंगना रनोट ने ऋतिक रोशन से उनके नाम का इस्तेमाल कर उन्हें ट्रोल करने वालों की आलोचना करने की अपील की और कहा कि आग में घी डालने से बचना चाहिए। दरअसल, हाल ही में सोशल मीडिया पर 'द वर्ल्ड ओज एन अपोलॉजी टू ऋतिक रोशन (दुनिया को ऋतिक रोशन से माफी मांगनी चाहिए।)' ट्रेंड सामने आया।यह ट्रेंड उस बयान के बाद चर्चा में आया, जिसमें कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रवक्ता सौरभ दास ने बरखा दत्त के साथ बातचीत में कहा था, मेरे दोस्त भी मुझे मैसेज कर रहे थे कि अब वो तुम्हारे पीछे क्यों पड़ी है? उनमें से एक ने कहा कि मैं थोड़ा-बहुत यंग ऋतिक रोशन जैसा दिखता हूं। ऋतिक के इस रिएक्शन के बाद कंगना रनोट ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'प्रिय ऋतिक, मुझे खुशी है कि आपको अपना परफेक्ट पार्टनर मिल गया है। सबा आजाद के साथ आपकी जोड़ी बहुत अच्छी लगती है।



कंगना रनोट ने ऋतिक रोशन पर साधा निशाना

ऋतिक के इस रिएक्शन के बाद कंगना रनोट ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'प्रिय ऋतिक, मुझे खुशी है कि आपको अपना परफेक्ट पार्टनर मिल गया है। सबा आजाद के साथ आपकी जोड़ी बहुत अच्छी लगती है और आप दोनों एक गंभीर रिश्ते में हैं।'

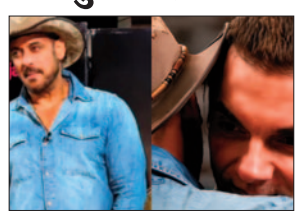
"इस ट्रेंड के बीच कई सोशल मीडिया यूजर्स ने कंगना रनोट को ट्रोल। एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए ऋतिक रोशन ने कहा था, मेरे दोस्त, सिर्फ इसलिए किसी 'ए' का पक्ष लेना क्योंकि अब आप 'बी' को पसंद नहीं करते, हमारे समाज को नुकसान पहुंचाने वाली एक बड़ी प्रणालीगत समस्या का एक छोटा सा हिस्सा है। मैं तब तक इंतजार करूंगा, जब तक इसके पीछे का संदर्भ सही न हो और वह तथ्यों से प्रेरित न हो। वह सही होगा, लेकिन फिर से, अब किसे परवाह है, है ना?"



'द अलायंस' में सलमान की एंट्री

भाई को देखकर इमोशनल हुए सोहेल खान

मुंबई। प्राइम वीडियो के शो 'द अलायंस' के आने वाले एपिसोड के नए प्रोमो में सलमान खान की घर में एंट्री दिखाई गई। इस दौरान उन्होंने डेनिम शर्ट, चारकोल ट्राउजर और काउबॉय हैट पहनी हुई थी। सलमान के आते ही कंटेस्टेंट्स खुशी और हैरानी से भर गए। सोहेल खान अपने भाई सलमान खान को देखकर सबसे ज्यादा हैरान नजर आए। उनके चेहरे के भाव हैरानी से खुशी में बदल गए और वह सलमान को गले लगाने के लिए आगे बढ़े। सलमान ने उन्हें गले लगाते हुए मुस्कुराकर पूछा, 'क्या भाई?' प्रोमो के मुताबिक, सलमान की एंट्री उस समय हुई, जब सोहेल खान पूर्व



पत्नी सीमा सचदेह के शो से बाहर होने और ग्रोइन में चोट लगने के बाद 'अलायंस' हाउस में उदास महसूस कर रहे थे। हाल के एपिसोड में सोहेल खान ने खुद को एलिमिनेशन के लिए नॉमिनेट किया था। उन्होंने कहा कि चोट की वजह से वह टास्क में योगदान नहीं दे पाए, जबकि दूसरे कंटेस्टेंट चोटिल होने के बावजूद मुकाबला कर रहे थे।

आध्यात्मिक शरण में एक्ट्रेस टिस्का चोपड़ा

बोलीं- 'घर वापसी' जैसा आध्यात्मिक अनुभव मिला

धर्मशाला। बॉलीवुड एक्ट्रेस एवं निर्देशक टिस्का चोपड़ा इन दिनों हिमाचल प्रदेश की शांत वादियों में आध्यात्मिक सुकून की तलाश में हैं। गुरु पूर्णिमा पर उन्होंने पालमपुर के कंदवाड़ी स्थित महावतार बाबा मेडिटेशन सेंटर का दौरा किया। यहां उन्होंने अपने आध्यात्मिक गुरु योगीराज अमर ज्योति से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। दोनों की यह मुलाकात लगभग तीन दशकों (30 वर्षों) के लंबे अंतराल के बाद हुई है। बातचीत में टिस्का चोपड़ा ने नुभव को बेहद भावुक और आत्मिक बताया। उन्होंने कहा कि लगभग 30 वर्षों के बाद अपने गुरु योगीराज अमर ज्योति से दोबारा मिलना उनके लिए किसी



'घर वापसी' जैसा अनुभव था। आश्रम प्रवास के दौरान उन्होंने ध्यान (मेडिटेशन), पवित्र हवन और गुरु के सान्निध्य में समय बिताया। टिस्का चोपड़ा ने कहा कि कुछ अनुभव शोर के साथ नहीं आते, बल्कि चुपचाप जीवन में उतरते हैं। वे अपने साथ अधिक स्पष्टता, विनम्रता और यह एहसास छोड़ जाते हैं कि जीवन की सबसे गहरी यात्राएं हमेशा भीतर की ओर होती हैं। आश्रम प्रवास के बाद टिस्का ने सोशल मीडिया पर एक विस्तृत पोस्ट साझा कर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने स्वीकार किया कि जब जीवन में तनाव, अत्यधिक सोच और लगातार भागदौड़ बढ़ जाती है, तब उनकी रचनात्मकता फीकी पड़ने लगती है। ऐसे समय में परिस्थितियों से उलझने के बजाय वे सुकून की तलाश में सीधे पहाड़ों की ओर रुख कर लेती हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि देवदार के वृक्षों की महक, बर्फीली धाराओं का शीतल जल और बादलों के बीच बिताए कुछ दिन उनकी आत्मा को फिर से तरोताजा और शांत कर देते हैं।

असम में बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे रणदीप हुड्डा

लंगर में विस्थापित लोगों को खाना खिलाया, कार्तिक आर्यन ने मदद के लिए 1 करोड़ दिए थे

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा ने शनिवार को असम के शिवसागर में ग्लोबल सिख्स द्वारा आयोजित बाढ़ राहत वितरण कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों को राशन और अन्य जरूरी सामान वितरित किया। रणदीप हुड्डा ने शिवसागर में गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेका और बाढ़ प्रभावित असम के लोगों की भलाई के लिए प्रार्थना की। उन्होंने राहत कार्य में भी भाग लिया। सेवा के दौरान रणदीप हुड्डा ने न्यूज एजेंसी से बात करते हुए कहा कि शिवसागर रेलवे स्टेशन पर आसपास के इलाकों से प्रभावित परिवार पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले सात दिनों से हर दिन भोजन तैयार कर लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह कई वर्षों से ग्लोबल सिख्स के साथ जुड़े हैं। रणदीप हुड्डा ने लोगों से अपील की कि वे सीधे राहत कार्यों में भाग लेकर,





प्रार्थना करके या राहत संगठनों को आर्थिक सहायता देकर जरूरतमंदों की मदद करें असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में अब तक बाढ़ के कारण 82 लोगों की मौत हो चुकी है। असम में आई भीषण बाढ़ पर एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने दुख जताया था। आलिया ने कहा था कि हर साल यह त्रासदी आती है, फिर भी लोग तैयार नहीं होते। उन्होंने जल्द राहत संगठनों की जानकारी शेयर करने का वादा किया था।

कई बॉलीवुड सेलेब्स मदद के लिए आगे आए

रणदीप हुड्डा के अलावा असम में आई विनाशकारी बाढ़ के पीड़ितों की सहायता के लिए कार्तिक आर्यन और सलमान खान जैसे बॉलीवुड सेलेब्स भी मदद के लिए आगे आए हैं। सलमान खान ने अपनी चैरिटेबल संस्था 'बीइंग ह्यूमन' के जरिए बाढ़ प्रभावित इलाकों में कई लेवल का राहत अभियान शुरू किया था। कैंपेन के पहले फेज में बाढ़ प्रभावित इलाकों में तैयार खाने के पैकेट और दूसरी जरूरी चीजें बांटी जा रही हैं। कार्तिक आर्यन ने असम के मुख्यमंत्री राहत कोष (CM Relief Fund) में 1 करोड़ रुपए की राशि दी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया पर इस समय की गई इस बड़ी मदद के लिए उनका आभार व्यक्त किया था।



होर्मुज खोलने और परमाणु खतरा खत्म करने पर सहमति बनी, सऊदी ने कार्रवाई रोकने को कहा था

ईरान पर हमला फिलहाल टाला : ट्रम्प

रोक

वॉशिंगटन एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमला फिलहाल टाल दिया गया है। उनके मुताबिक, ईरान और कुछ मिडिल ईस्ट देशों की ओर से समझौते का प्रस्ताव आने के बाद यह फैसला लिया गया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दावा किया कि अमेरिका ईरान पर बड़े सैन्य हमले के लिए पूरी तरह तैयार था। उन्होंने दावा किया कि समझौते की रूपरेखा पर सहमति बनी है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत खोलना और ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना शामिल है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि इजराइल भी इस फैसले



में अमेरिका के साथ है। इससे पहले एक्सियोस की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रम्प से फोन पर बात कर ईरान पर संभावित बड़े हमले को टालने और संयम बरतने की अपील की थी। मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट के सीनियर फेलो रॉस हैरिसन ने अल जजीरा से कहा कि ट्रम्प के हमला टालने के फैसले को ईरान अपनी रणनीतिक जीत के तौर पर देख सकता है। उन्होंने कहा, ईरान शायद यही मानेगा कि डोनाल्ड ट्रम्प संभावित बड़े युद्ध और उसके जोखिम को देखते हुए पीछे हट गए।

एक्सपर्ट बोले- ट्रम्प ने हमला टाला, लेकिन हालात अब भी नाजुक

ईरान पर हमला टालने के ट्रम्प के फैसले के बावजूद संकट अभी खत्म नहीं हुआ है। मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट के सीनियर फेलो रॉस हैरिसन का मानना है कि अगले कुछ दिन तय करेंगे कि तनाव कम होगा या फिर जंग दोबारा भड़क सकती है।

उन्होंने कहा, "ट्रम्प के हमला टालने से हालात सामान्य नहीं हुए हैं। स्थिति अब भी बेहद नाजुक है और कभी भी बिगड़ सकती है।

ईरान धमकियों के साये में बातचीत नहीं करेगा, क्योंकि उसे लगता है कि हर बार नरमी दिखाने का फायदा अमेरिका उठाता है।"

पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स

1. अमेरिका ने मिडिल ईस्ट छोड़ने की एडवाइजरी जारी की: अमेरिकी विदेश विभाग ने अपने नागरिकों से कहा है कि अगर सुरक्षा हालात और बिगड़ते हैं तो वे पश्चिम एशिया छोड़ने की तैयारी रखें। एडवाइजरी ट्रम्प की ईरान पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी के बीच जारी की गई।

2. ईरान बोला- हर अमेरिकी हमले का उसी तरह जवाब देंगे: ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि तेहरान किसी भी अमेरिकी सैन्य हमले का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने पाकिस्तान और तुर्किये के नेताओं से बातचीत में भी यही संदेश दोहराया।

3. अमेरिका के पास इजराइल की रक्षा के लिए संसाधन कम पड़ रहे: वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सेना के वरिष्ठ जनरल ने पेंटागन को चेतावनी दी है कि ईरान के लगातार हमलों से इजराइल की रक्षा के लिए मौजूदा नौसैनिक संसाधन पर्याप्त नहीं हैं।

4. जयशंकर ने ईरान से कहा- कारोबारी जहाजों को निशाना न बनाएं: विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ईरानी विदेश मंत्री से फोन पर बात कर कारोबारी जहाजों और नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। सरकार ने बताया कि पश्चिम एशिया संघर्ष में अब तक 16 भारतीयों की मौत और 75 लोग घायल हुए हैं।

5. अमेरिका इजराइल में 40 रीफ्यूलिंग विमान तैनात करेगा: इजराइली मीडिया के मुताबिक, अमेरिका बेन गुरियन एयरपोर्ट पर 10 और रीफ्यूलिंग विमान भेज रहा है। इसके बाद वहां ऐसे विमानों की कुल संख्या 40 हो जाएगी, जिससे क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य तैयारियां और मजबूत होंगी।

ट्रम्प का यू-टर्न
धमकी से हमला टालने तक

- **8 जुलाई** — ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों को रोका
- **8 जुलाई** — जवाब में अमेरिका ने ईरान पर फिर हवाई हमले शुरू किए
- **8-20 जुलाई** — ईरान के जॉर्डन, कुवैत, बहरीन, ओमान और कतर में अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी हमले
- **8-20 जुलाई** — जॉर्डन और इराक में 4 अमेरिकी सैनिक मारे गए
- **20 जुलाई** — हूती विद्रोहियों ने रेड सी में सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी का ऐलान किया
- **25 जुलाई** — 13 दिन की लगातार बमबारी के बाद अमेरिका ने हमले रोके; ट्रम्प बोले- ईरान से बातचीत अच्छी चल रही है
- **28 जुलाई** — ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में नेतन्याहू से मुलाकात की
- **31 जुलाई** — कैंप डेविड में ट्रम्प बोले- जरूरत पड़ी तो ईरान पर "बहुत जोरदार हमले" करेंगे
- **1 अगस्त** — ईरान ने पाकिस्तान, तुर्किये और सऊदी अरब से बात कर चेतावनी दी- हमला हुआ तो करारा जवाब देंगे
- **1 अगस्त** — सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रम्प से सैन्य कार्रवाई टालने की अपील की
- **2 अगस्त**
  - ट्रम्प का दावा- ईरान और दूसरे मिडिल ईस्ट देशों ने समझौते का प्रस्ताव दिया
  - होर्मुज स्ट्रेट खोलने और परमाणु खतरा खत्म करने पर सहमति बनी
  - अमेरिका ने फिलहाल हमला टाला।

फास्ट न्यूज

टॉप-10 में 9 कंपनियों का मार्केट-कैप 2.51 लाख करोड़ बढ़ा

मुंबई। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार की शानदार रिकवरी से देश की टॉप 10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से 9 के मार्केट कैपिटलाइजेशन में कुल लगभग 2.51 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, बेहतर वैश्विक सेंटिमेंट और पहली तिमाही (Q1 FY27) के मजबूत नतीजों की वजह से निवेशकों के भरोसे को मजबूती मिली।

प्रदर्शन कर रही पंजाबी छात्रा का दर्द

जालंधर। कनाडा के पोटाज कॉलेज में पढ़ रहे पंजाबी छात्रों का आंदोलन में दर्द छलका है। पोस्ट ग्रेजुएशन वर्क परमिट (PGWP) के रिजेक्शन मिलने से स्टूडेंट्स 3 हफ्ते से सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्रों ने आंकड़े शेयर करते हुए बताया कि हालिया पोल्स के मुताबिक, 485 रिजेक्शन के मुकाबले 50 से भी कम अप्रूवल मिले हैं। जबकि, पोटाज कॉलेज ने एडमिशन के वक्त वादा किया था कि उन्हें PGWP मिलेगा और उनकी डिग्री वैध होगी। अब जब उनके लाखों रुपए कोर्स पर बर्बाद हो गए तो घर जाने के लिए कह रहे हैं। पंजाब की एक छात्रा ने बताया- हालात ये हैं।

कतर के एलएनजी टैंकर पर होर्मुज में हमला

वॉशिंगटन। होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे कतर के LNG (लिक्विफाइट नैचुरल गैस) से भरे एक टैंकर पर शनिवार को हमला हुआ। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, सुरक्षा एजेंसियों ने जहाज की पहचान 'गैसलॉग शंघाई' के रूप में की है। बताया गया कि टैंकर किसी मिसाइल या ड्रोन की चपेट में आ गया। इससे पहले ब्रिटेन की एक एजेंसी ने बताया था कि ओमान तट के पास एक टैंकर पर हमला हुआ। इससे उसके इंजन रूम को नुकसान पहुंचा और वह आगे नहीं बढ़ पाया।

यूपीआई का जुलाई में नया रिकॉर्ड, 2366 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए

कुल ₹29.88 लाख करोड़ की वैल्यू का लेनदेन हुआ, फास्टैग वॉल्यूम 4% घटा

नई दिल्ली, एजेंसी

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) ने जुलाई 2026 में 2,366 करोड़ ट्रांजैक्शन के साथ अपना अब तक का सबसे ज्यादा मंथली वॉल्यूम दर्ज किया है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) द्वारा शेयर किए गए डेटा के मुताबिक, इस दौरान कुल 29.88 लाख करोड़ का लेनदेन हुआ। जून की तुलना में जुलाई में ट्रांजैक्शन वॉल्यूम में 4.1% और वैल्यू में 3.3% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कैशफ्री पेमेंट्स के को-फाउंडर रीजू दत्ता ने इस ग्रोथ पर कहा कि जुलाई में ऐसी कोई परिस्थितियां नहीं थीं, जिसका मतलब है कि यह ग्रोथ किसी मौसमी या स्ट्रक्चरल इवेंट के बजाय पूरी तरह से ऑर्गेनिक और रोजमर्रा के ट्रांजैक्शन बिहेवियर की वजह से हो रही है। अगर पिछले साल की इसी अवधि (जुलाई 2025) से तुलना करें, तो यूपीआई ट्रांजैक्शन



वॉल्यूम में 22% का जोरदार उछाल आया है। वहीं, ट्रांजैक्शन वैल्यू में भी सालाना आधार पर 19% की बढ़ोतरी देखी गई है। पेनियरबाय के फाउंडर, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ आनंद कुमार बजाज ने कहा कि सबसे बड़ा बदलाव मेट्रो शहरों से परे हो रहा है। टियर 2, टियर 3 और ग्रामीण बाजारों में यूपीआई कभी-कभार इस्तेमाल होने वाले विकल्प से हटकर रोजमर्रा के ट्रांजैक्शन का हिस्सा बनता जा रहा है। कंज्यूमर स्थानीय खरीदारी, रिचार्ज, बिल पेमेंट और मनी ट्रांसफर के लिए इसका इस्तेमाल कर रहे हैं।

सभी 11 पर्यटक यूरोप से थे, 2000 साल पुरानी नाज्का लाइन्स देखने पहुंचे थे

पेरू में टूरिस्ट प्लेन क्रैश, क्रू समेत 13 की मौत







पेरू, एजेंसी

पेरू के नाज्का शहर के पास शनिवार को एक टूरिस्ट प्लेन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में 11 यूरोपीय पर्यटकों समेत 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 7 इटली, 2 स्पेन और 2 जर्मनी के पर्यटक शामिल हैं। विमान के पायलट और को-पायलट की भी जान चली गई। यह विमान इका शहर से उड़ान भरकर पर्यटकों को 2000 साल पुरानी नाज्का लाइन्स दिखाने जा रहा था। नाज्का लाइन्स के पास पहुंचने के बाद प्लेन खेत में जाकर गिरा। इसमें आग लग गई। हादसे के बाद



प्लेन के मलबे के पास जले हुए शव बिखरे पड़े थे। पेरू सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। राष्ट्रपति केइको फुजीमोरी ने घटना पर दुख जताया है और नाज्का एयरपोर्ट का संचालन अस्थायी रूप से रोकने पर भी विचार किया जा रहा है। जो प्लेन हादसे का शिकार हुआ, उसे पेरू की कंपनी 'एरोडियाना' ऑपरेट कर रही थी

नाज्का लाइन्स क्या हैं?

पेरू की राजधानी लीमा से करीब 400 किमी दक्षिण में नाज्का और पाल्पा के रेगिस्तान में 2,000 साल पुरानी विशाल आकृतियां बनी हैं। माना जाता है कि इन्हें 200 ईसा पूर्व से 600 ईस्वी के बीच नाज्का सभ्यता के लोगों ने बनाया था। गहरे रंग की पत्थरीली सतह हटाकर नीचे की हल्की मिट्टी को उभारने से ये आकृतियां बनाई गईं। इनमें बंदर, हमिंगबर्ड, मकड़ी, कोंडोर, व्हेल, पेड़ और हाथ जैसी दर्जनों आकृतियां शामिल हैं। कई आकृतियां 100 से 300 मीटर या उससे भी बड़ी हैं, जबकि कुछ सीधी रेखाएं कई किलोमीटर तक फैली हैं। नाज्का लाइन्स का पूरा आकार जमीन से दिखाई नहीं देता। इन्हें साफ तौर पर केवल विमान, हेलिकॉप्टर, व्यूइंग टावर या आसपास की ऊंची पहाड़ियों से देखा जा सकता है। यही वजह है कि हर साल हजारों पर्यटक सीनिक फ्लाइट लेकर इन्हें देखने पहुंचते हैं। वैज्ञानिक आज भी इनके उद्देश्य पर एकमत नहीं हैं। इन्हें धार्मिक अनुष्ठानों, जल स्रोतों, खगोलीय गणनाओं या सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़कर देखा जाता है।

नाज्का में पहले भी हो चुके हैं हादसे

- पिछले कुछ दशकों में इस मशहूर हैरिटेज साइट पर विमान दुर्घटना का यह पहला मामला नहीं है।
- 2022 में एक और छोटा पर्यटक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सवार सात लोगों की मौत हो गई।
- 2010 में भी एक पर्यटक विमान इसी जगह के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें विमान में सवार छह लोगों की मौत हो गई।

बोले- यूक्रेन भेजो, गोदामों में न रखो, रूस के हमले में 9 की मौत

जेलेंस्की ने अमेरिका और यूरोपीय देशों से पैट्रियट मिसाइलें मांगी

जेलेंस्की ने एक्स पर वीडियो जारी करके अमेरिका और यूरोपीय देशों से मदद मांगी।

"जेलेंस्की ने दावा किया कि रूस अब जेट इंजन से लैस शाहेद ड्रोन का अधिक इस्तेमाल कर रहा है और युद्ध लंबा खिंचने का फायदा उठाकर नई हमलावर रणनीतियां विकसित कर रहा है। उन्होंने अमेरिका और यूरोपीय सहयोगियों से रूस के मिसाइल, लॉन्चर और हथियार उद्योग से जुड़े लोगों और कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगाने की भी अपील की।

कीव, एजेंसी

रूस के ताजा मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अमेरिका और यूरोपीय देशों से तुरंत पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम के इंटरसेप्टर मिसाइल भेजने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ये मिसाइलें लोगों की जान बचाने के लिए हैं, इसलिए इन्हें गोदामों में रखने के बजाय यूक्रेन भेजा जाना चाहिए। रूस ने शनिवार रात कीव समेत कई शहरों पर बड़े पैमाने पर



हमला किया था। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक हमले में 9 लोगों की मौत हुई, जबकि करीब 40 लोग घायल हुए हैं। फुटेज यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस के मिसाइल हमलों के बाद का है। दमकलकर्मी हमले के बाद लगी आग को बुझा रहे हैं। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि रूस ने रातभर में 35 मिसाइलें, जिनमें 27 बैलिस्टिक मिसाइलें थीं, और करीब 185-190 ड्रोन दागे। इनमें से यूक्रेन केवल एक बैलिस्टिक मिसाइल को ही रोक सका, क्योंकि पैट्रियट सिस्टम के लिए इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार लगभग खत्म हो चुका है।

पैट्रियट मिसाइल सिस्टम क्या है

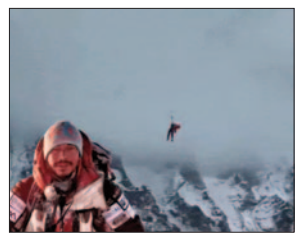
पैट्रियट अमेरिका का अत्याधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम है, जिसे दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज मिसाइल और लड़ाकू विमानों को हवा में ही मार गिराने के लिए बनाया गया है। इसकी सबसे बड़ी ताकत यह है कि यह बेहद कम समय में आने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों को भी इंटरसेप्ट कर सकता है। इसी वजह से रूस के लगातार बढ़ते मिसाइल हमलों के बीच यह यूक्रेन की सबसे अहम सुरक्षा ढाल माना जाता है। पैट्रियट सिस्टम में लॉन्चर, रडार, कमांड सेंटर और इंटरसेप्टर मिसाइलें शामिल होती हैं। रडार पहले लक्ष्य की पहचान करता है।

नेपाल के मशहूर पर्वतारोही निर्मल पुर्जा की गिलगित-बाल्टिस्तान में मौत

8 हजार मीटर ऊंची ब्रॉड पीक पर चढ़ रहे थे, हिमस्खलन में गई जान

इस्लामाबाद, एजेंसी

मशहूर पर्वतारोही निर्मल पुर्जा की पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में हिमस्खलन की चपेट में आने से मौत हो गई। उनकी ही पर्वतारोहण कंपनी एलीट एक्सपेडिशन ने इसकी पुष्टि की है। निर्मल 30 जुलाई को काराकोरम इलाके में 8,051 मीटर ऊंची ब्रॉड पीक पर चढ़ाई कर रहे थे। इस दौरान करीब 7,000 मीटर की ऊंचाई पर यह हादसा हुआ। इसमें निर्मल समेत 10 पर्वतारोही लापता हो गए थे। इनमें छह नेपाली थे। पुर्जा ने 2012 में ब्रिटिश नागरिकता ले ली थी, जिसके बाद उनकी नेपाली नागरिकता खत्म हो गई थी। नेपाल और दुनियाभर के पर्वतारोहियों के बीच 'निम्स दाइ' के नाम से मशहूर निर्मल पुर्जा ने 2019 में 'प्रोजेक्ट पॉसिबल' की शुरुआत की



थी। उनका मकसद था दुनिया की 8,000 मीटर से ऊंची सभी 14 चोटियों को सिर्फ सात महीने में फतह करना। उस समय इसे लगभग असंभव माना जा रहा था।

निर्मल पुर्जा ने यह कारनामा महज छह महीने और छह दिन में पूरा कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने दक्षिण कोरिया के पर्वतारोही किम चांग-हो का करीब 8 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। निर्मल पुर्जा का जन्म 25 जुलाई 1983 को नेपाल के म्याग्दी जिले के दाना गांव में हुआ था। उनके परिवार का सेना से गहरा नाता रहा है। कई पीढ़ियों से परिवार के लोग गोरखा रेजिमेंट में सेवा करते रहे। उनके पिता और तीन बड़े भाई भी गोरखा सैनिक थे। ऐसे माहौल में पले-बढ़े निर्मल ने भी बचपन से ही सैनिक बनने का सपना देखा। बाद में उन्होंने इसी परंपरा को आगे बढ़ाया और ब्रिटिश सेना की गोरखा रेजिमेंट में भर्ती हो गए। करीब छह साल तक गोरखा सैनिक के रूप में सेवा देने के बाद उन्होंने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। वे ब्रिटिश रॉयल नेवी की स्पेशल बोट सर्विस (SBS) में शामिल होने वाले पहले नेपाली बने। SBS ब्रिटेन की नौसेना की सबसे खतरनाक और प्रतिष्ठित स्पेशल फोर्स है। इसके सैनिक समुद्र, पहाड़, जंगल और दुश्मन के इलाके में सीक्रेट ऑपरेशन चलाने के लिए ट्रेंड होते हैं।

इन्वेस्टमेंट : जुलाई में ₹20,200 करोड़ की खरीदारी की, बेहतर वैल्युएशन और कॉरपोरेट कमाई का असर

भारतीय शेयर बाजार में 4 महीने बाद लौटे विदेशी निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPIs) ने जुलाई में भारतीय शेयर बाजार में जोरदार वापसी करते हुए इक्विटी में करीब 20,200 करोड़ का नेट इन्वेस्टमेंट किया है। इसके साथ ही पिछले 4 महीनों से लगातार जारी बिकवाली का सिलसिला थम गया है। आकर्षक वैल्युएशन, कॉरपोरेट कमाई में सुधार और वैश्विक दबाव कम होने से घरेलू शेयरों में विदेशी निवेशकों का निवेश फिर से शुरू हुआ है। जुलाई की ताजा खरीदारी से बाजार को राहत जरूर मिली है, लेकिन इससे लंबे समय से चली आ रही बिकवाली का नुकसान पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। साल 2026 में अब तक विदेशी निवेशक भारतीय इक्विटी बाजार से कुल 2.54 लाख करोड़ की निकासी कर चुके हैं। यह



आंकड़ा पूरे साल 2025 के दौरान हुई 1.66 लाख करोड़ की कुल निकासी से भी ज्यादा है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की तुलनात्मक स्थिरता, लार्ज-कैप शेयरों में वाजिब वैल्युएशन और कॉरपोरेट अर्निंग्स में सुधार के संकेतों ने विदेशी निवेशकों के बीच भारत का आकर्षण फिर से बढ़ाया है। इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म 'ट्रैक' के को-फाउंडर और CEO वेदांत गुप्ते के मुताबिक, जून तिमाही के नतीजों ने कई अहम सेक्टरों में शुरुआती रिकवरी के संकेत दिए हैं, जिससे निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ है। विशेष रूप से इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (IT) शेयरों में मजबूत री-रेटिंग देखी गई। उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों ने आईटी उद्योग के लंबे समय के ग्रोथ आउटलुक पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के संभावित असर की चिंताओं को शांत करने में मदद की है। इसके अलावा ग्लोबल मैक्रो-इकोनॉमिक हालात भी इमर्जिंग मार्केट्स के लिए मददगार साबित हो रहे हैं। गुप्ते ने बताया कि अमेरिकी डॉलर पर दबाव कम होने और अमेरिकी ब्याज दरों के अपने पीक के करीब पहुंचने की उम्मीदों ने भारत जैसे बाजारों के लिए निवेश का माहौल बेहतर किया है।

साउथ कोरिया और ताइवान में अस्थिरता का फायदा भारत को मिला

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट वी के विजयकुमार ने बताया कि साउथ कोरिया और ताइवान जैसे बाजारों में बढ़ी अनिश्चितता और चिप ट्रेडमें ज्यादा कंसंट्रेशन के जोखिमों ने विदेशी निवेशकों को भारत जैसे अपेक्षाकृत स्थिर बाजारों की ओर रुख करने के लिए प्रेरित किया है। विजयकुमार के अनुसार, भारतीय रुपए की मजबूती और स्थिरता के साथ-साथ भारत के लार्ज-कैप सेगमेंट में वाजिब वैल्युएशन ने विदेशी पूंजी की वापसी में अहम भूमिका निभाई है।

4 महीने की बिकवाली पर ब्रेक लगा

सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (CDSL) के आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई में हुआ यह निवेश बाजार के लिए एक बड़ा टर्नअराउंड है। इससे पहले लगातार 4 महीनों तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों में भारी बिकवाली की थी।

- **मार्च: 1.17 लाख करोड़ की बिकवाली की थी।**
- **अप्रैल: 60,847 करोड़ निकाले थे।**
- **मई: 32,963 करोड़ की निकासी की थी।**
- **जून: 49,340 करोड़ शेयर बाजार से बाहर निकाले थे।**

सीबीआई ने अनिल अंबानी पर एफआईआर दर्ज की

रिलायंस कैपिटल पर ईपीएफओ को 1,816 करोड़ का नुकसान पहुंचाने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

CBI ने रिलायंस कैपिटल लिमिटेड और इसके पूर्व चेयरमैन अनिल अंबानी के खिलाफ FIR दर्ज की है। कंपनी पर EPFO यानी कर्मचारी भविष्य निधि संगठन को 1816.22 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाने के आरोप है। अधिकारियों ने शनिवार, 1 अगस्त को इसकी जानकारी दी। यह कार्रवाई केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय ने 21 जुलाई को दी गई एक शिकायत के आधार पर की। शिकायत में धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और EPFO को नुकसान पहुंचाने का आरोप है। हालांकि, अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने बयान जारी कर किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया है। शिकायत में आरोप लगाया गया कि BDO इंडिया के ऑडिट से पहले भी कई फर्जी ट्रांजैक्शन



पाए गए थे। इन ट्रांजैक्शन के जरिए रिलायंस कैपिटल का पैसा बाहर निकाला गया, जो आगे चलकर कंपनी के डूबने की वजह बना। ED की जांच से पता कि कंपनी में अनियमित लोन बांटने, पैसों का दुरुपयोग और सिक्योरिटी को कमजोर करने जैसी गतिविधियों को अंजाम दिया गया। अधिकारियों का कहना है कि अगर ये आरोप साबित होते हैं, तो इन्हीं वजहों से कंपनी की वित्तीय हालत खराब हुई। वह डिबेंचर होल्डर्स का भुगतान नहीं कर पाई और EPFO को नुकसान हुआ।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676